RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
वर्ष-11, अंक-10, हिन्दी (मासिक), अक्टूबर 2024, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

नारी के शक्ति स्वरूप की महिमा को साकार कर रही है ब्रह्माकुमारीज़

शिव की शक्ति है नारी..

परमात्मा ने नारी को बनाया सिर का ताज, विश्व परिवर्तन की सौंपी महान जिम्मेदारी

मिसाल: ब्रह्माकुमारीज़ नारी शक्ति द्वारा संचालित विश्व का सबसे बड़ा एकमात्र संगठन

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

नारी तू नारायणी। शिव की शक्ति है नारी। नारी तू जग कल्याणी। तेरी महिमा है अपार, तू है सृष्टि का आधार। जन-जन का कल्याण करे तू शिव की शक्ति है नारी। हर नारी मां दुर्गा के समान शक्ति रूप बन सकती है, जरूरत है तो उसे अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानकर उन्हें जागृत करने की। नारी के शक्ति स्वरूप को जगाने, वंदे मातरम् और भारत माता की गाथा को चरितार्थ करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पिछले 88 वर्षों से नारी के सर्वांगीण विकास, उत्थान, सशक्तिकरण और सामाजिक प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठित करने के लिए समर्पित रूप से सेवारत है। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा संगठन है जिसका संचालन नारी शक्ति करती है। वर्तमान में 50 हजार से अधिक शिव शक्तियां समर्पित रूप से विश्व कल्याण के कार्य में तन-मन-धन से जुटी हैं। इनका एक ही मकसद है- स्वर्णिम भारत की स्थापना।

परमात्मा कर रहे शक्तियों का जागरण

नवरात्र में हम सभी नौ देवियों की उपासना, आराधना और साधना करते हैं। नौ देवियां, नौ शक्तियों का प्रतीक हैं। राजयोग मेडिटेशन और परमात्म शक्ति से हमारे जीवन में नव शक्तियों का जागरण होता है-

मां दुर्गा देवी: दुर्गुणों को दूर करने वाली। शक्तिदायिनी।
मां शीतलादेवी: आत्मिक स्नेह द्वारा शीतलता प्रदान करने वालीं। सुखदायिनी।
मां लक्ष्मी देवी: महान लक्ष्यों वाली। समृद्धि की देवी।
मां गायत्री देवी: जीवन में प्रफुल्लता भरने वाली। गुणदायिनी।
मां मीनाक्षी देवी: ज्ञान का तीसरा नेत्र प्रदान करने वाली।
मां काली देवी: कलुषित भावनाओं व संस्कारों को खत्म करने वाली। शक्तिरूपा
मां उमा देवी: उमंग-उत्साह द्वारा हर कर्म में सफलता लाने वाली। स्नेहमयी मां।
मां संतोषी देवी: संतुष्टता प्रदान करने वाली। वरदायिनी।
मां सरस्वती देवी: ज्ञान की धारणा करने वाली। ज्ञानदायिनी। सभी देवियों की अपनी विशेषता है।

विधि से होती है सिद्धि

हर वर्ष नौ दिन शक्ति की भक्ति में हम व्रत के साथ नियम-संयम और पूरे मनोभाव व संकल्प से जागरण, तप- आराधना-ध्यान करते हैं। क्योंकि विधि से ही सिद्धी मिलती है। यहां खुद से सवाल करना जरूरी है कि यदि नवरात्र में नौ दिन आदि शक्ति की आराधना में नियम-संयम से चल सकते हैं तो जीवनभर क्यों नहीं? नौ दिन में माता‌रानी खुश हो सकती हैं तो यदि जीवन ही उनके समान दिव्यता संपन्न बना लें तो क्या उनका स्वरूप नहीं बन सकते हैं? हम दैवी की महिमा में जगराते, आराधना करते, उनके गुणों और शक्तियों की महिमा गाते हैं, लेकिन इस बारे में भी विचार किया है कि क्या हम उनके समान जीवन में दैवीगुण धारण नहीं कर सकते हैं? क्या हम भी उनकी तरह जीवन को शक्ति से परिपूर्ण नहीं बना सकते हैं? क्या हमारा जीवन भी देवी की तरह पवित्र नहीं हो सकता है? क्या हम भी लेवता से देने वाले अर्थात् देव स्वरुप स्थिति को प्राप्त नहीं हो सकते हैं? बचपन से मांगना हमारा संस्कार बन गया है। मुझे प्रेम चाहिए, स्नेह चाहिए, सम्मान चाहिए। इसकी जगह क्या हम देव स्वरूप स्थिति अर्थात् देने वाले, प्रेम स्वरूप अर्थात् प्रेम देने वाले, स्नेह स्वरूप अर्थात् स्नेह देने वाले। सम्मान देने वाले। जब जीवन में देने का भाव प्रकट होता है तो देवताई संस्कार अपने आप इमर्ज होने लगते हैं। क्योंकि देना ही लेना है। जब जीवन देवियों की तरह गुणवान और पवित्र बन जाता है तो आत्मिक शक्तियों का जागरण होने लगता है।

बदलाव की ओर...
इन नवरात्र में देवी मां की आराधना के साथ अपने जीवन को उनके समान दिव्यगुणों, विशेषताओं से परिपूर्ण और संपन्न बनाने का संकल्प भी करें।

आखिर नवरात्र ही क्यों?

रात्रि अर्थात् अज्ञान, अंधकार, कालिमा, बुराइयां, आसुरीयता। नवरात्रि के साथ जुड़े 'नव' शब्द का अर्थ है नवीनता, नया, नई शुरुआत, शुद्ध- पवित्र। अंकों में इसे नौ भी कहते हैं। इसलिए नवरात्रि में नौ देवियों का गायन है। नवरात्रि अर्थात् अपने अंदर जो बुराइया रूपी असुर और आसुरीयता घर कर गई है उसे नव संकल्प के साथ, नई शुरुआत के साथ जीवन में दिव्यता-पवित्रता का आह्वान करना। जगराता अर्थात् अपनी शक्तियों का जागरण करना। देवियों को आदि शक्ति. शिव शक्ति भी कहा जाता है। कालांतर में शक्तियों ने भी योगबल से शिव से शक्ति प्राप्त की थी, इसलिए इन्हें शिव शक्ति भी कहते हैं। श्रीमद्भागवत गीता में लिखा है कि ब्रह्मा की रात्रि, ब्रह्मा का दिन। सतयुग और त्रेतायुग है ब्रह्मा का दिन और द्वापर, कलयुग है ब्रह्मा की रात है। जब संसार में अज्ञानता की रात्रि छा जाती है तो ऐसे समय पर परमात्मा भी शक्तियों की उत्पत्ति करते हैं, जिससे अंधकार समाप्त हो जाता है और जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैल जाता है। वर्तमान में यह वही परिवर्तन का काल चल रहा है। परमात्मा इस धरा पर आकर आत्मा की शक्तियों को पुनः जागृत करने की शिक्षा दे रहे हैं।

नशामुक्ति अभियान में संस्था ने जो कार्य किया है वह मिसाल है: केंद्रीय मंत्री कुमार

मेडिकल विंग : माइंड-बॉडी-मेडिसिन का 50वां सम्मेलन ज्ञान सरोवर में आयोजित

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर में राजयोग एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा 50वां माइंड-बॉडी-मेडिसिन राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से चिकित्सा जगत से जुड़े प्रतिनिधियों, चिकित्सकों ने भाग लिया।

सम्मेलन में पहुंचे केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि चिकित्सा व्यवसाय लोगों को जीवनदान देने का भागीरथी कार्य करने के साथ परमार्थ के भी असीम अवसर उपलब्ध होते हैं। विपुलता में तो कोई भी जीवन जीने के लिए किसी भी मूल्य पर उपचार करवा सकता है, लेकिन अभाव भरे जीवन जी रहे लोगों की सेवा करने का पुण्य फल भी प्राप्त किए जाने को इस व्यवसाय में सहायक सिद्ध होता है।

उन्होंने कहा कि यहां के स्वच्छ आध्यात्मिक वातावरण से ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त कर निश्चित तौर पर सहभागी सकारात्मक सोच लेकर जायेंगे। जिससे व्यवसाय उत्तरोत्तर प्रगति करेगा। यहां जो उपदेश दिए जाते हैं उससे ध्यान-साधना में एकाग्रता आती है। अध्यात्म जगत ही नहीं अपितु भौतिक क्षेत्र में भी एकाग्रता की अहमियत है। ब्रह्माकुमारीज संस्था की सेवाएं अद्भुत हैं। हाल ही में नशा मुक्ति अभियान में संस्था ने जो कार्य किया है वह अपने आप में एक मिसाल है।

जोधपुर एम्स निदेशक डॉ. जीडी पुरी ने कहा कि समाज में स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति प्राप्त करने की भी जरूरत है। शान्ति के लिए चिकित्सा कार्य से जुड़े लोगों का स्वयं से पहल करनी होगी। चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण एमबीबीएस के दौरान ही ध्यान-योग को प्रशिक्षण में शामिल किया जाना चाहिए। चिकित्सा प्रभाग प्रमुख डॉ. अशोक मेहता ने कहा कि मनुष्य के संकल्पों का स्वास्थ्य पर सीधे तौर पर प्रभाव पड़ता है। जब मनुष्य की चेतना संगठित रूप से एक ही प्रकार का संकल्प करती है तो उसकी सामूहिक सोच का प्रभाव स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दीदी ने डॉक्टर्स को माइंड मैनेजमेंट के टिप्स बताए। ज्ञान सरोवर की निदेशिका बीके प्रभा दीदी, कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई, विंग के उपाध्यक्ष डॉ. प्रताप मिड्ढा, सचिव डॉ. बनारसी लाल, दिल्ली को डॉ. मोहित गुप्ता ने भी राजयोग से जुड़े अपने अनुभव सांझा किए।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी: झांकी में दिखी स्वर्णिम युग की झलक

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान, शांतिवन परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर लगाई गई। इसका उद्घाटन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई, मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों द्वारा किया गया। 75 फीट लंबे इस पांडाल में श्रीकृष्ण के बालरूप से लेकर कंस वध, राधा-मीरा का श्रीकृष्ण से प्यार, गोवर्धन पर्वत, राधा-श्रीकृष्ण का झूला और स्वर्णिम दुनिया की झलक के साथ ही श्रीकृष्ण जी के बाल-लीलाओं, माखनचोरी आदि को प्रदर्शित किया गया । झांकी के साथ श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंग से जुड़े तमाम पहलुओं में छिपे आध्यात्मिक रहस्यों को दिखाया गया । झांकी में विशेष रूप से श्रीलक्ष्मी-श्रीनारायण का राज दरबार आकर्षण का केंद्र रहा। लाइटिंग और साउंड के संयोजन से झांकी को कलात्मक रूप दिया गया। इसे देखने के लिए आबू रोड सहित आसपास के गांवों के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे ।

पानीपत में विराट संत सम्मेलन

परमात्मा की याद से पावन होती है आत्मा: आचार्य परमानंद महाराज

शिव आमंत्रण, पानीपत, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर में विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्थानों से महामंडलेश्वर एवं संतों ने भाग लिया। सम्मेलन में उप्र सहारनपुर से आए आचार्य महामंडलेश्वर कमल किशोर ने कहा कि धर्म ही हमारी राष्ट्र की नींव है। धर्म हमें आपस में लड़ना नहीं सिखाता अपितु हमें आपस में प्यार से मिलजुलकर रहना सिखाता है। ब्रह्माकुमारीज़ में मैंने देखा है कैसे उनका सबके लिए रूहानी प्यार है। इनके नैनों से, चेहरे से परमात्म प्यार की अनुभूति होती है।

अंबाला कैंट से आए महामंडलेश्वर स्वामी शिव चैतन्य सरस्वती ने कहा कि अध्यात्म का अर्थ होता है आत्मा का अधिकारी हो जाना। मनुष्य के पास ज्ञान तो बहुत है लेकिन आवश्यकता है उसे जीवन में धारण कर स्वरूप में लेने की।

मप्र कटनी से आए आचार्य परमानंद महाराज ने कहा कि गंगा स्नान करने से आत्मा पवन नहीं होती है, आत्मा पावन तो परमात्मा की याद से होती है। परमात्मा पारस की तरह है, जब आत्मा परमात्मा के संग में रहती है तो वह भी सच्चा सोना बन जाती है। माउंट आबू से आए धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक राजयोगी रामनाथ भाई ने कहा कि आज का मनुष्यों के दुखों का कारण अज्ञान है। सारी दुनिया अज्ञानता की नींद में सोई हुई है। लेकिन जब मनुष्य स्वयं एवं अपने परमपिता परमात्मा को जान जाते हैं तो उसके सारे दुःख दर्द समाप्त हो जाते हैं।

ज्ञान मानसरोवर के निदेशक बीके भारत भूषण ने कहा कि परमात्म शक्ति का अनुभव करने के लिए पहले आत्मिक शक्ति का अनभुव करना है तो स्वयं को पहचाने, आत्मा का अनुभव करें तब स्वतः परमात्म शक्ति का अनुभव होगा। सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी बीके सरला दीदी ने परमात्म शक्ति का अनुभव करने के लिए राजयोग का अभ्यास कराया। संचालन बीके शिवानी बहन ने किया। कुरुक्षेत्र से आए डॉक्टर प्रकाश मिश्रा और बीके सुरेश बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में नगर के 800 से अधिक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

माउंट आबू इंटरनेशनल हॉफ मैराथन आयोजित

विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर चार देशों के 3500 धावकों ने लगाई दौड़

शिव आमंत्रण, आबू रोड/माउंट आबू, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 17वें पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में 6वीं आबू रोड से माउंट आबू इंटरनेशनल हॉफ मैराथन आयोजित की गई। 21.9 किमी की इस मैराथन में की शुरुआत मनमोहिनीवन से सुबह 6 बजे हुई। इसमें भारत सहित चार देशों के 3500 से अधिक रनर्स विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर दौड़े।

पैरा ओलंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट दुती चंद और 1992 की एशियाई मैराथन की गोल्ड मेडलिस्ट सुनीता गोदारा सहित संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की। 21.09 किमी की दौड़ लगाते हुए प्रथम विजेता पाली निवासी कल्पेश देवासी ने मात्र 1 घंटे 22 मिनट में ही दूरी पूरी कर ली। वहीं द्वितीय स्थान पर माउण्ट आबू के वरुण और तृतीय विजेता रोहित टोंक रहे।

लोगों में होगा सद्भावना का विकास-

शुभारंभ पर आबू रोड-रेवदर विधायक मोतीराम कोली ने कहा कि यह मैराथन वर्तमान समय पूरे विश्व में भाईचारा और एकता का संदेश देगी। इससे लोगों में सदभावना का विकास होगा। आबू रोड पालिका चेयरमैन मगनदान चारण ने कहा कि आज जरूरत है कि हम इसे खेल की भावना से लें। इस तरह के आयोजनों से निश्चित तौर पर समाज में एकता और समरसता का विकास होता है। आबू रोड उपखण्ड अधिकारी वीरमाराम ने कहा कि शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए ऐसे आयोजनों की जरुरत है ताकि लोगों में जागरुकता आए। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रमुख बीके करुणा तथा कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि दादी प्रकाशमणि का सपना था कि पूरे विश्व में विश्व बन्धुत्व की भावना का विकास हो। इसके लिए उनके स्मृति दिवस पर यह आयोजन किया जा रहा है।

ओम शांति भवन माउंट आबू में किया गया पुरस्कार वितरण

ये रहे उपस्थित

अंतरराष्ट्रीय ओलम्पियन सुनीता गोदारा, देवदर तहसीलदार हुक्मीचंद, सदर थानाधिकारी राजीव लाड़, रोटरी क्लब के अजय सिंह, आवास-निवास के प्रभारी बीके देव भाई, बीके भानू भाई, बीके सत्येन्द्र भाई, बीके अमरदीप भाई, पीआरओ बीके कोमल भाई, बीके मिश्रा भाई, बीके सचिन भाई समेत कई लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी। दादी प्रकाशमणि माउण्ट आबू हॉफ इंटरनेशनल मैराथन में हिस्सा लेने के लिए धावक दो दिन पूर्व ही पहुंच गये थे। इसमें 18 साल के युवक से लेकर 65 साल के बुजुर्गों ने भी भाग लिया।

प्रथम विजेता को दिए 51 हजार

प्रथम आने वाले प्रतिभागी पाली निवासी कल्पेश देवासी को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रहे माउण्ट आबू के वरुण को 41 हजार रुपये और तृतीय स्थाने पर रहे रोहित टोंक को 31 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। प्रत्येक रनर्स को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। आबूरोड मनमोहिनीवन से आरंभ हुई मैराथन के शुरुआती दौर में छिपावेरी तक दो दर्जन से अधिक धावकों में जबरदस्त कॉम्पटिशन चला, वहीं सतघूम तक आधा दर्जन लोग ही आगे पीछे हो रहे थे। फॉरेस्ट व्यू पर अचानक कल्पेश आगे निकल गया। जो फिनिसिंग पॉइंट तक आगे ही रहा।

मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भूमिपूजन

50 एकड़ में दो साल में बनकर होगा तैयार

250 बैड का बनेगा हॉस्पिटल, न्यूरोलॉजी से लेकर यूरोलॉजी के इलाज की सुविधा मिलेगी

ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ट्रस्ट के तहत होगा संचालित

मुख्य ट्रस्टी बीके निर्वैर भाई और बीके बृजमोहन भाई ने किया भूमिपूजन

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

शिवमणि होम के पास बनने वाले मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का भूमिपूजन जन्माष्टमी पर किया गया। पचास एकड़ के विशाल परिसर में यह हॉस्पिटल दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसकी क्षमता 250 बैड की रहेगी। गौरतलब है कि ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन में आयोजित कार्यक्रम में 10 मई 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉस्पिटल की वर्चुअल नींव रखी थी। उन्होंने इसे सिरोही जिले में गंभीर रोगों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण बताया था।

भूमिपूजन के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव एंव ग्लोबल हॉस्पिटल के ट्रस्टी बीके राजयोगी निर्वैर भाई ने कहा कि हॉस्पिटल को दो साल के अंदर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी अनुमानित लागत करीब दो सौ करोड़ रुपए आएगी। इसके बनने से आबू रोड में लोगों को सहज-सुलभ इलाज की सुविधा मिल सकेगी। अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि हॉस्पिटल सर्वसुविधायुक्त होगा, इससे लोगों को अहमदाबाद नहीं जाना पड़ेगा और गंभीर रोगों के जांच की सुविधा यहीं मिल सकेगी।

माउंट आबू स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने बताया कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से 50 एकड़ में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय जरूरतमंद लोगों को सहज ही इलाज की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अभी तक यह व्यवस्था केवल बड़े शहरों में ही है।

तन के साथ होगा मन का इलाज

डॉ. मिड्ढा ने बताया कि सबसे अहम बात हॉस्पिटल में तन के साथ मन का इलाज भी किया जाएगा। इसमें विशेष रूप से मेडिटेशन रूम बनाए जाएंगे ताकि दवा और दुआ दोनों के समन्वय से लोग जल्दी स्वस्थ हो सकें। हॉस्पिटल में आधुनिक उपकरणों के साथ विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। हॉस्पिटल निर्माण के साथ नर्सिंग कॉलेज का भी विस्तार किया जा रहा है। इससे पहले से ज्यादा सुविधाएं मरीजों को मिल सकेंगी। बीके हंसा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ये सुविधाएं मिलेंगी

हॉस्पिटल में मुख्य रूप से न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी की विशेष यूनिट शुरू की जाएगी। इसमें जाने-माने विषय विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, पैलिएटिव केयर और जेरिएट्रिक केयर (वरिष्ठ नागरिक गृह) की भी सुविधा रहेगी। साथ ही तीसरे साल में हॉस्पिटल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एंडोक्रिनोलॉजिस्ट के इलाज की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

शिक्षा प्रभागः राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से पहुंचे शिक्षाविद

स्वस्थ एवं सशक्त भारत के लिए मूल्य शिक्षा जरूरीः दादी

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित शिक्षाविदों के महासम्मेलन में संस्थान प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि यदि नए भारत का निर्माण करना है, तो स्वस्थ एवं सशक्त भारत बनाना होगा। इसके लिए युवाओं को आध्यात्मिक शिक्षा और ज्ञान को जीवन में उतारना होगा। यह सम्मेलन मौजूदा वक्त में बहुत जरूरी हो गया है।

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की शिक्षा मनुष्य को श्रेष्ठ मनुष्य बनाने के लिए अति उपयोगी और जरूरी है। राजयोग ध्यान से ही मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। ब्रह्माकुमारीज़ की इस मूल्य आधारित शिक्षा से लाखों लोगों का जीवन बदला है। यह अपने आप में बहुत बड़ा उदाहरण है। यदि जीवन में आध्यात्म और राजयोग ध्यान होगा तो यह जीवन श्रेष्ठ बन जाएगा। कार्यक्रम में हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. केसी पोरिया ने कहा कि आज के युवाओं का विश्वविद्यालयों और कालेजों में युवाओं में तेजी से नशे की लत बढ़ रही है। ऐसे में उन्हें मजबूत और सशक्त बनाने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा की अति आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के इसके लिए शानदार पहल कर रहा है। इसका लाभ लेना चाहिए।

सूचना निदेशक बीके करुणा भाई और शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने कहा कि आज सभी का परमात्मा के घर में आना ही शिक्षा में नई क्रांति का प्रतीक है। इसलिए हम सभी को मिलकर इसे आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा बीके शीलू दीदी, मुख्यालय को-आर्डिनेटर बीके शिविका दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में हेचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी पाटन के रजिस्ट्रार डॉ. रोहित देसाई, प्रभाग की नेशनल कोआर्डिनेटर बीके सुमन दीदी, डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी भगवानपुर के डीन डॉ. धर्मेन्द्र कुमार समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन शिक्षा प्रभाग की बीके सुप्रिया दीदी ने किया।

मूल्य शिक्षा के लिए मालदा कॉलेज के साथ एमओयू साइन

कोलकाता, पश्चिम बंगाल। ब्रह्माकुमारीज़ के एजुकेशन विंग और मालदा कॉलेज के बीच एमओयू साइन किया गया है। इसके तहत कॉलेज में एडमिशन लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को स्टूडेंट इम्पावरमेंट और स्व-उन्नति के लिए 30 घंटे के 'इनर ट्रांसफॉर्मेशन' कार्यक्रम में भाग लेना होगा।

कार्यक्रम में मालदा कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. वैद्य, आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर नारायण चंद्र साव, सभी डिपार्टमेंटल हेड्स और ब्रह्माकुमारी श्यामनगर की मुख्य संचालिका कमला दीदी, मालदा सेंटर की संचालिका जयंती दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहे। एमओयू के बाद कॉलेज विद्यार्थियों के लिए मोटिवेशनल क्सालेस बीके अमित भाई और बीके स्नेहा बहन द्वारा कराई गईं। इसमें उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, मन प्रबंधन, एकाग्रता, सकारात्मक चिंतन आदि विषयों पर प्रकाश डाला।

बता दें कि एजुकेशन विंग द्वारा अब तक देशभर की 30 से अधिक यूनिवर्सिटी और कॉलेज के साथ मूल्य शिक्षा के लिए एमओयू साइन किया गया है।

स्पोर्ट्स विंगः अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन

खेलों में सफलता के लिए सकारात्मक माइंड सेट की जरूरत

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ की भगिनी संस्था राजयोग एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के तहत संचालित स्पोर्ट्स विंग द्वारा अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। खेलों में सफलता के लिए पॉजिटिव माइंड सेट का विकास विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में खेल प्रतिनिधियों, प्रशिक्षकों एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका तथा स्पोर्ट्स विंग की वाइस चेयरपर्सन राजयोगिनी शशि दीदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए शक्तिशाली, सकारात्मक माइंड सेट की जरूरत होती है। कमजोर मानसिकता की वजह से हमें विफलता प्राप्त होती है। सकारात्मक मानसिकता का पूरा विकास करके विजय प्राप्त करनी है। राजयोग मेडिटेशन आपके मन की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता है। जब हम परमपिता परमात्मा सर्वशक्तिवान से अपना ध्यान केंद्रित करते हैं तो परमात्मा की असीम शक्तियां हमें प्राप्त होती रहती हैं और हमारा मन शांत तथा शक्तिशाली बना रहता है। फिर हम बड़ी-बड़ी सफलताएं प्राप्त करते रहते हैं।

स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर अर्जुन सिंह राणा ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय 130 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और आज की तारीख में यह एक वटवृक्ष बन चुका है। देशभर के खिलाड़ी यहां प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। हम ब्रह्माकुमारियों से अनुरोध करते हैं कि आप हमारे साथ एक एमओयू करें और हमारे खिलाड़ियों को मानसिक शक्ति के विकास में प्रशिक्षण

दें। आप हमारे विश्वविद्यालय में एक नियमित राजयोग प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करें। राजयोग के अभ्यास से खिलाड़ियों की मानसिक शक्ति तो बढ़ेगी ही, साथ-साथ वह काफी सफलता प्राप्त करेंगे। खिलाड़ी राजयोग ध्यान पद्धति का विकास करके एक बहुत अच्छे इंसान भी बनेंगे।

उस्मानिया विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के डीन डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि ब्रह्मकुमारीज़ के साथ पिछले 10 वर्षों से विश्वविद्यालय का संपर्क है। खिलाड़ियों की मानसिक शक्ति को बढ़ाने के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास बहुत कारगर एवं प्रमाणिक होगा। खेलों को आगे ले जाने के लिए मानसिकता एवं सोच का सकारात्मक बनाना जरूरी है।

अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग रेफरी ब्रिगेडियर विक्रम सिंह ने कहा कि शिक्षक दिवस पर विश्व के सर्वोत्तम शिक्षक परमपिता परमात्मा के घर में आए हुए सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। मेडिटेशन और अच्छी जीवनशैली के आधार पर जीवन में सच्चा सुख, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त होता है। मन को शांत रखने के लिए मेडिटेशन बहुत आवश्यक है। राजयोग मेडिटेशन से ना सिर्फ मन की ताकत बढ़ती है बल्कि शरीर भी स्वस्थ होता है। सही और शुद्ध खान-पान हमें बहुत अधिक सफलता दिलाएगा। भारतीय नेवी के अंतरराष्ट्रीय तैराक विनय सहरान ने कहा कि सफलता पाने के लिए सिर्फ शारीरिक शक्ति की नहीं बल्कि शक्तिशाली मानसिक बल की भी जरूरत होती है। मेडिटेशन के कारण आपका तनाव कम होता है और आप 100% अपने गेम के लिए दे पाते हैं और सफलता प्राप्त होती है।

खेल प्रभाग के नेशनल कोऑर्डिनेटर डॉ. जगबीर ने कहा कि 10 मिनट का मेडिटेशन हर गेम के लिए अनिवार्य किया जाना चाहिए। डॉ. जगबीर ने एयरफोर्स के अपने अनुभवों को भी सम्मेलन में सांझा किया। आपने बताया कि एयरफोर्स में रहते हुए कई मौकों पर उन्होंने अलग-अलग खेलों में मैराथन आदि में भाग लिया, जिसका उन्हें पहले अभ्यास नहीं था। वे राजयोग का अभ्यास कर रहे थे। ऐसा देखा गया कि उन्हें उन खेलों में कांस्य, रजत और गोल्ड मेडल भी प्राप्त किए। खेलों में 90% सफलता प्राप्त करने के लिए मेडिटेशन बहुत अधिक अनिवार्य है और यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राजयोग मेडिटेशन पूर्ण सात्विक मेडिटेशन है जिससे हमारी सकारात्मक मानसिकता के साथ शारीरिक स्वास्थ्य भी बना रहता है एवं उसमें संवर्धन होता है।

नेशनल कोऑर्डिनेटर बीके रोहतास ने भी खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए सकारात्मक मानसिक शक्ति के विकास के लिए मेडिटेशन अभ्यास को आवश्यक बताया। गुजरात जोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी तारा दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करवाया। मुख्यालय कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी अदिति बहन ने मेडिटेशन द्वारा मानसिक शक्तियों के विकास के बारे में भी बताया। नेशनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी नंदिनी बहन ने मंच संचालन किया। त्रिदिवसीय सम्मेलन के दौरान नामीग्रामी वक्ताओं बीके प्रो. ईवी गिरीश, प्रो. बीके ओंकार, बीके वासन्ता बहन, बीके सारिका बहन आदि ने खिलाड़ी एवं प्रशिक्षकों का सुचारु रूप से मार्गदर्शन किया।

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)।

विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाई गई दादी प्रकाशमणि की 17वीं पुण्यतिथि

विश्वभर में लाखों लोगों ने पुष्पांजली अर्पित कर दादी को किया याद

ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 17वीं पुण्यतिथि पर विश्वभर में लाखों लोगों ने पुष्पांजली अर्पित कर उनकी शिक्षाओं को याद किया। भारत सहित विश्व के 137 देशों में पुण्यतिथि विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाई गई। संस्थान के आठ हजार सेवाकेंद्रों पर अलसुबह से रात तक योग-साधना का दौर जारी रहा।

शांतिवन में दादी की याद में बने प्रकाश स्तंभ पर सबसे पहले मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी, महासचिव बीके निर्वैर भाई, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों के साथ दस हजार से अधिक लोगों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महासचिव बीके निर्वैर भाई ने कहा कि मुझे वर्षों तक दादी प्रकाशमणि जी के साथ सेवाएं करने का सौभाग्य मिला। दादी का व्यक्तित्व इतना विशाल था कि बड़े-बड़े संत-महात्मा भी उन्हें दादी मां कहते थे। दादी प्रकाशमणि नारी शक्ति का वह प्रदीप्तमान सितारा थीं जिनके ज्ञान के प्रकाश की रोशनी आज भी अध्यात्म के पथिकों की राह प्रशस्त कर रही है।

अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि दादी और बाबा की प्रेरणा से यह विशाल डायमंड हॉल बनकर तैयार हुआ। बाबा दादी को कुमारका नाम से पुकारते थे, क्योंकि दादी हमेशा भाइयों का मां की तरह बहुत ध्यान रखती थीं। दादी के साथ सभी को लगता था कि यह मेरी दादी हैं। उन्होंने प्यार-स्नेह से सभी को एकता के सूत्र में बांध रखा था। दादी हमेशा कहती थीं शिव बाबा का यह ईश्वरीय परिवार है वहीं चला रहे हैं, मैं तो निमित्त मात्र हूं।

नारी शक्ति की मिसाल थी दादी

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि जिस विश्वास, आशा और उम्मीद के साथ ब्रह्मा बाबा ने दादी को 1969 में इस ईश्वरीय परिवार की कमान सौंपी थी दादी ने उससे हजार गुना उम्मीद पर खरा उतरते हुए परमात्म के दिव्य कार्य को न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि लाखों ब्रह्माकुमार भाई-बहनों के हृदय में निश्चल स्नेह-प्यार की मूरत बनकर सदा-सदा के लिए बस गईं। आपका जीवन नारी के शक्ति स्वरुप की जीती जागती मिसाल था।

लक्ष्य महान हो तो कुछ भी असंभव नहीं है...

मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि आपने दिव्य कर्म और विराट सोच से यह साबित कर दिखाया है कि यदि लक्ष्य पवित्र, महान और परमात्म साथ हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। इतने महान लक्ष्य दो-पांच वर्षों में हासिल नहीं किए जा सकते हैं। योग-तपस्या के पथ पर चलते हुए आपने न केवल अपना जीवन तपस्यामय बनाया बल्कि हजारों लोगों के लिए आदर्शमूर्त, उदाहरणमूर्त बनकर दिलों में ऐसी अमिट छाप छोड़ी जिसे मिटा पाना कभी संभव नहीं है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके शशि दीदी और बीके दिल्ली पांडव भवन की बीके पुष्पा दीदी, यूएसए की डॉ. बीके हंसा दीदी, बीके आत्म प्रकाश भाई सहित दस हजार से अधिक लोग मौजूद रहे। संचालन प्रयागराज की बीके मनोरमा दीदी ने किया।

दो हजार श्रमिकों को कराया नशामुक्ति का संकल्प

आबू रोड। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दादी प्रकाशमणि के पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में शांतिवन सहित आबू रोड के सभी परिसर में सेवाएं दे रहे दो हजार से अधिक श्रमिकों को उपहार प्रदान किया गया। साथ ही सभी को नशामुक्ति का संकल्प कराया गया। सभी श्रमिकों ने दादी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली दी। इस मौके पर संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि दादीजी के समय से ही यहां सेवा दे रहे श्रमिकों का भाई-बहनों की तरह ध्यान रखा जाता है। सभी बड़े प्रेम-प्यार से सेवा करते हैं। आप सभी भाग्यशाली हैं जो भगवान के घर में सेवा करने का मौका मिला है।

रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है : आचार्य बालकृष्ण

450 रक्तवीरों ने किया रक्तदान, राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 17वीं पुण्यतिथि विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 17वीं पुण्यतिथि विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शांतिवन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से आए 450 ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने रक्तदान किया। शिविर के शुभारंभ पर पहुंचे पतंजलि आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। जो युवा स्वस्थ हैं उन्हें जरूर रक्तदान करना चाहिए। हर एक व्यक्ति रक्तदान का संकल्प करे तो देश में हर साल रक्त की कमी से होने वाली लाखों मौतों को टाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की सेवाएं बहुत ही सराहनीय हैं। यह संस्था नारी शक्ति और सशक्तिकरण की मिसाल है। नारी शक्ति ने एकजुट होकर पूरे विश्व में अध्यात्म का परचम फहराया है। यहां भाई-बहनें बड़े ही सेवाभाव से सेवा करते हैं जो अनुकरणीय है। संस्था के मुख्यालय आकर बहुत अच्छा लगा। इस दौरान उन्होंने शांतिवन का भी अवलोकन किया।

मल्टीमीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि संस्था हर क्षेत्र में अपने सामाजिक जिम्मेदारी निभा रही है। समय प्रति समय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इससे रक्तदान की कमी को दूर करने में मदद मिली है।

ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि ग्लोबल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर माउंट आबू और ट्रॉमा सेंटर आबू रोड द्वारा शिविर का आयोजन किया गया है। रक्तदान के प्रति ब्रह्माकुमार भाई-बहनों का अपार उत्साह देखकर बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बीके बनारसी लाल ने कहा कि आज युवाओं में रक्तदान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। अब लोग रक्तदान को लेकर जागरूक हो रहे हैं। इस दौरान सीए बीके ललित, डॉ. सतीश गुप्ता, बीके अमरदीप ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

देशभर से पहुंचे युवाओं ने दिखाया उत्साह

रक्तदान में 20 साल के युवा से लेकर 50 साल के वरिष्ठ लोगों ने उत्साह दिखाया। हर कोई रक्तदान और अपना नंबर आने के लिए बेसब्री से इंतजार करता दिखा। इनका कहना था कि दादीजी की पुण्यतिथि पर आयोजित शिविर में रक्तदान करने का सौभाग्य मिला है, इससे खुशी हो रही है। बता दें कि मेडिकल विंग, ग्लोबल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर और ट्रामा सेंटर आबू रोड द्वारा संयुक्त रूप से समय प्रति समय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इससे हॉस्पिटल में रक्त की पूर्ति आसानी से हो जाती है।

संपादकीय

आत्म दीप जलाएं, मन का अज्ञान-अंधकार मिटाएं

आत्मा रूपी दीपक को जलाकर ही हम मन का अज्ञान-अंधकार मिटा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि पहले अपने आप को जानें, अपने स्वरूप को जानें। मैं कौन हूं? मैं आत्मा इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर क्यों आई हूं? मुझे जीवन में क्या करना है? मेरे जीवन का क्या उद्देश्य है? परमात्मा से कैसे मंगल मिलन मना सकते हैं? ये वह प्रश्न हैं जिनके जवाब प्रत्येक मनुष्य आत्मा को जानना जरूरी है। जब तक हम सत्य ज्ञान को नहीं समझेंगे हमें खुद और जीवन से जुड़े इन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिलेंगे। राजयोग मेडिटेशन ही वह विधा, शिक्षा और पद्धति है जिसे जानकर, जीवन में अपनाकर आत्मा-परमात्मा से जुड़े प्रत्येक प्रश्न का समाधान पा सकते हैं। इससे जहां हमारा आत्म दीप जल जाता है, वहीं मन में व्याप्त नकारात्मक विचार, अज्ञान-अंधकार, कलुषित विचार, दूषित भावनाएं सदा-सदा के लिए होलिका दहन की तरह योग अग्नि की ज्वाला में जलकर स्वाहा हो जाती हैं। जैसे-जैसे हमारा राजयोग का अभ्यास बढ़ता जाता है आत्मदीप जलता जाता है। मन शक्तिशाली बन जाता है। मन शुद्ध, पवित्र विचारों से भरपूर हो जाता है। राजयोग मेडिटेशन परमात्मा द्वारा सिखाई गई वह कला, विद्या है जो सृष्टि रूपी रंगमंच पर एक बार ही कलियुग के अंत और सतयुग के आदि संगमयुग पर परमात्मा अवतरित होकर मनुष्यात्माओं को सिखाते हैं। वह आत्मा को तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाकर नई स्वर्णिम दुनिया में चलने के दिव्यगुणों से श्रृंगार करते हैं।

बोध कथा/जीवन की सीख

कोयला और चंदन

चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा, 'देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया।

अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। लेकिन इससे पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया।

संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले, 'बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो।' बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले, 'जरा ठहरो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ।' बेटे ने हाथ दिखाए तो वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़ कर बोले, 'देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई।

गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकडी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है। इसलिए हमेशा अच्छे लोगों की संगति में ही रहना। आप स्वयं विचार करें - जीवन हमारा तो सज्जन /दुर्जन संग का निर्णय भी हमारा ही हो!

सीख: कहा गया है संग तारे, कुसंग बोरे। अर्थात् जीवन में सत्संग करने से जीवन आसान हो जाता है। हमारा कल्याण हो जाता है। प्रभु की प्राप्ति हो जाती है। वहीं कुसंग से हमारा जीवन नरक बन जाता है। हम दुःख, समस्याओं के पहाड़ से घिर जाते हैं। इसलिए सदा संत-महात्माओं और सज्जनों का ही संग करना चाहिए जिससे हमारी आत्मिक उन्नति होती रहे।

मेरी कलम से

मंजू अग्रवाल (64)
पूर्व निदेशक, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, बीना, मप्र

परिवार पर आई विपदा में राजयोग के ज्ञान से खुद को और बेटों को संभाला

जब बाबा ने सर्जन बनकर मेरा ऑपरेशन किया

मैं पिछले 12 वर्षों से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रही हूं। शुरुआत में सब ठीक रहा। लेकिन अचानक मेरे डॉक्टर पति का स्वास्थ्य बिगड़ना शुरू हो गया। भोपाल, इंदौर, चंडीगढ़ से लेकर दिल्ली में इलाज कराया। लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ। राजयोग मेडिटेशन और शिव बाबा की शिक्षा का कमाल है कि घर में अचानक आई विपदा में भी कभी विचलित नहीं हुई। हर समस्या और परिस्थिति का मनोबल के साथ सामना किया। पति के इलाज के लिए हर संभव प्रयास किए ताकि वह स्वस्थ हो जाएं। बाबा ने कहा है कि प्रत्येक आत्मा का इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर पार्ट निश्चित है। इस ज्ञान के आधार से खुद को संभाले रखा। मेरे पति भी राजयोग मेडिटेशन करते थे, इससे उनकी बिल पॉवर बहुत स्ट्रांग थी। कोरोनाकाल में भी वह बीमारी के बाद भी कोरोना पॉजीटिव नहीं हुए यह देखकर डॉक्टर हैरान थे। यहां तक कि बीमारी की हालत में भी क्लीनिक में मरीजों का इलाज करते थे। असहनीय दर्द में भी सदा मुस्कुराते रहते थे। तमाम इलाज के बाद अंततः पति ने शरीर छोड़ दिया। ब्रह्माकुमारी दीदियों के मार्गदर्शन और राजयोग मेडिटेशन की बदौलत जीवन में आई इस विपदा से उबर पाई। दुख तो हुआ लेकिन राजयोग के ज्ञान से खुद को संभाल लिया। न केवल खुद को संभाला बल्कि परिवार के सदस्यों और बेटों को भी संभाला। मेरे जीवन का अनुभव है कि जब हम सबकुछ शिव बाबा को अर्पण कर देते हैं, उनसे सच्ची प्रीत लगाकर उनकी बताई श्रीमत पर चलते हैं तो फिर हमारी जिम्मेदारी बाबा की हो जाती है।

पिछले साल की बात है मधुबन में सेवा करने की इच्छा, लेकिन अचानक स्टोन का दर्द शुरू हो गया, तब मैं शांतिवन में ही थी। इस पर मैं बाबा के रूम में पहुंची और कहा कि बाबा मुझे यहीं पर सेवा करनी है लेकिन ऑपरेशन के लिए घर जाना पड़ेगा। अपना सारा हाल बाबा को बयां कर दिया। प्यारे बाबा का कमाल है कि पांच मिनट के बाद ऐसा लगा कि जैसे बाबा ने सर्जन बनकर मेरा स्टोन निकाल दिया हो और दर्द पूरी तरह से गायब हो गया। यह देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गई। इसके कुछ दिनों बाद डॉक्टर को चेकअप कराया तो स्टोन नहीं मिला। इस तरह जीवन में प्यारे बाबा की मदद के अनेक अनुभव हैं। दिल यही कहता है शुक्रिया तेरा प्यारे बाबा शुक्रिया तेरा।

मनोगत पवित्रता में मंशा निराकारी द्वारा नैसर्गिक सुख

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 75

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

अन्तर्मन की पवित्रता को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने हेतु मानवीय संवेदनशीलता सर्वाधिक प्रखर एवं मुखर रूप से प्रेरणादायी भूमिका निभाती है, जिसमें मानवनिष्ठ सरोकार के माध्यम से भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ ही अन्तःकरण की पवित्र भावना का स्वरूप भाषायी शुचिता के द्वारा प्रतिबिम्बित होता है। जीवन में सुख-शाँति एवं आनंद के प्रकल्प की तलाश करते हुए व्यक्ति सैद्धान्तिक रूप से रहिमन मीठे वचन से सुख उपजत चहुंओर... तक पहुंच जाता है, जहां उसे स्वयं की भावना पर कार्य करने का सुअवसर प्राप्त होते ही जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी का व्यावहारिक एवं निष्पक्ष व्याख्या अनुगमन हेतु प्राप्त हो जाती है।

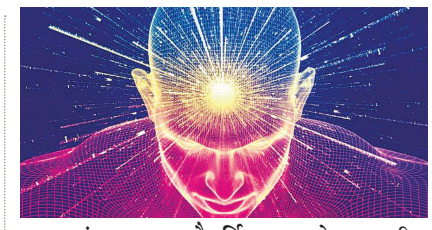

आध्यात्मिक क्षेत्र में तत्व चिंतन की विराटता: प्रकृति प्रदत्त सृजनात्मक विद्या के अंतर्गत सृजन के लिए सृजन की उत्पत्ति एवं उसका नैसर्गिक उपयोग चिन्तनशील स्वरूप में विद्यमान रहता है, जिसमें मानवीय भावना और भासना अपनी सूक्ष्म तरंगों के माध्यम से जीवात्मा की उन्नति में सहायक सिद्ध होते हैं। आत्मीयता से युक्त भाव एवं भासना , मनुष्य जीवन में मधुर सम्बन्धों के महत्वपूर्ण आधार होते हैं जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व को क्षमा के कल्याणकारी गुण के साथ जोड़ देने पर आत्मगत चिंतन का परिवेश ही परिष्कृत स्वरूप में परिवर्तित हो जाता है। भाव जगत की पवित्रता को बनाए रखने के लिए आध्यात्मिक क्षेत्र में तत्व चिंतन की विराटता की ओर अभिमुखित होते हुए आत्मा और परमात्मा के गुणानुवाद से समर्पित चेतना को सम्पूर्णता एवं सम्पन्नता अर्थात आत्म वैभव की भासना से अभिसिंचित करने का पुरुषार्थ सहजता से किया जाना परम आवश्यक होता है ।

भाव एवं भासना का नैसर्गिक सदुपयोग: आन्तरिक और बाह्य जगत के वातावरण को सौहार्द्रपूर्ण बनाए रखने हेतु भाव एवं भासना का नैसर्गिक उपयोग क्षमा कल्याण के सद्गुण से सुसज्जित होकर अंतर्मन को शक्तिशाली बनाने की क्रियाविधि में गहनता से संलग्न रहता है। मानवीय व्यवहार के केन्द्र में जीवन के मूल्यपरक गुणों एवं शक्तियों से युक्त विभिन्न प्रकार की आदर्श स्थितियां होती हैं, जिनके अनुगमन हेतु अंतःकरण की पवित्रता से युक्त मनोगत की उपस्थिति सदा ही उपयोगी होती है। स्वयं के उत्थान हेतु अंतर्मन से आध्यात्मिक पुरुषार्थ में संलग्न रहना होता है, जिसके अंतर्गत वह जीवन को हीरे तुल्य बनाने हेतु स्वयं को ऊंचा उठाने के विभिन्न उपागम का अनुसरण करती है। जिसमें मुख्य रूप से मंशा से निराकारी, वाचा से निरहंकारी और कर्मणा से निर्विकारी स्थिति, अवस्था और स्वरूप का निर्माण किया जाना प्रमुख रूप से सम्मिलित होता है।

सुख-शांति, आनंद हेतु भावना, भाषा: आत्म जगत से सम्बंधित सम्पूर्ण स्वरुप का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने पर यह ज्ञात हो जाता है कि आत्मा के स्वमान , स्वरूप एव स्वभाव में अर्न्तनीहित तत्व क्षमा के कल्याणकारी स्वरूप में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सम्बद्ध हैं जिसके द्वारा सर्व मानव आत्माओं को व्यवहार दर्शन से आत्म साक्षात्कार सुनिश्चित हो जाता है । अन्तर्मन की पवित्रता को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने हेतु मानवीय संवेदनशीलता सर्वाधिक प्रखर एवं मुखर रूप से प्रेरणादायी भूमिका निभाती है जिसमें मानवनिष्ठ सरोकार के माध्यम से भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ ही अन्तःकरण की पवित्र भावना का स्वरूप भाषायी शुचिता के द्वारा प्रतिबिम्बित होता है। जीवन में सुख-शाँति एवं आनंद के प्रकल्प की तलाश करते हुए व्यक्ति सैद्धान्तिक रूप से रहिमन मीठे वचन से सुख उपजत चहुंओर... तक पहुंच जाता है, जहां उसे स्वयं की भावना पर कार्य करने का सुअवसर प्राप्त होते ही जाकी रही भावना, जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी... का व्यावहारिक एवं निष्पक्ष व्याख्या अनुगमन हेतु प्राप्त हो जाती है ।

मुक्ति एवं जीवन मुक्ति की प्रासंगिकता

हृदय की निर्मलता से ही मस्तिष्क में उत्पन्न होने वाले विचारों की स्पष्टता अर्थात् बोधगम्यता के संदर्भ एवं प्रसंग में विश्लेषण निर्धारित हो पाता है जिसे मर्यादित आचरण द्वारा सम्प्रेषण को वृहद स्तर पर सामाजिक स्वीकारोक्ति के स्वरूप में मान्यता प्राप्त होती है । आध्यात्मिक परिदृश्य के अन्तर्गत आत्म जगत की प्रविष्ठता से मुक्ति एवं जीवन मुक्ति की प्रासंगिकता को ढूंढने का जतन मानवीय स्वभाव की प्रवृत्ति में समाविष्ट होता है जिसे क्षमा के उचतम परिवेश से पवित्र भावना एवं विचार द्वारा कल्याणकारी स्वरूप में प्राप्त करके आत्महित से शुद्ध उपयोग का श्रेष्ठतम परिवेश निर्मित किया जा सकता है। जीवात्मा, मुक्ति एवं जीवन मुक्ति की प्रासंगिकता को व्यवहारिक स्वरूप में जब कर्म, अकर्म एवं सुकर्म से भी स्वयं को मुक्त कर लेती है, तब वह संपूर्ण रूप से स्वतंत्र होकर आध्यात्मिक पुरुषार्थ की पराकाष्ठा को प्राप्त करती है, जिससे आत्म जगत का नैसर्गिक सुख स्वयं ही प्रस्फुटित होकर मंशा, वाचा, कर्मणा, संकल्प, समय, संबंध एवं स्वप्न में भी आत्मिक पवित्रता की सर्वोच्चता को बनाए रखने में सहयोगी बन जाता है।

भले ही तुम बाहर से संयम बरतते रहो, मन में कलुष भरा हो, विचार गंदे हो तो वह रोगी बनेगा ही।

- महान संत ज्ञानेश्वर

जो आघात सहन करता है, वहीं संत है। निश्चय के बल से ही फल की प्राप्ति होती है।

- महान संत तुकाराम

मेडिकल विंग : माइंड-बॉडी-मेडिसिन राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित, आचार्य बालकृष्ण ने कहा-

शास्त्र के अनुसार चिकित्सक एक योगी और साधक होता है

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन के आनंद सरोवर परिसर में मेडिकल विंग एवं आयुष मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में माइंड-बॉडी-मेडिसिन तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर से एक हजार से अधिक आयुर्वेद के डॉक्टर, वैद्य और शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

शुभारंभ पर हरिद्वार से आए पतंजलि आयुर्वेद के एमडी व सीईओ आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि हम किसी पैथी के विरोधी नहीं है जो लूट-खसोट करेगा, हम उसके विरोधी हैं, फिर वह चाहे आयुर्वेद वाला ही क्यों न हो। जब एक रोगी हमारे पास आता है तो वह हमें भगवान के भाव से देखता है लेकिन यदि हमारे मन में यदि लूट और पैसे कमाने का भाव होगा तो इससे बड़ा पाप नहीं है। आज लोभ इतना हावी हो गया है कि पहले बीमार किया जाता है फिर इलाज करते हैं। कोरोना के समय डर के कारण हजारों महिलाओं की डिलीवरी नार्मल हो गई है। अब सब सामान्य हो गया है तो फिर से लोगों का धंधा शुरू हो गया है। हम लोगों ने अभी निदान के संदर्भ में 2600 श्लोकों का 18 छंदों में नई ग्रंथ की रचना की है। 1500-1600 वर्ष पूर्व निदान का ग्रंथ था। पहले के निदान के ग्रंथों में 225 के आसपास रोगों का वर्णन है लेकिन हम लोगों ने 500 रोगों का वर्णन किया है।

देशभर से एक हजार से अधिक आयुर्वेद के डॉक्टर, वैद्य और शोधार्थी ले रहे हैं भाग

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि शास्त्र के अनुसार चिकित्सक सही मायने में एक योगी और साधक होता है। आयुर्वेद में नाड़ी वैद्य की बड़ी महिमा है। लेकिन चिकित्सा नाड़ी विज्ञान सीखने के लिए पहले अपने मन का शांत और शक्तिशाली होना जरूरी है। जितना आप अंतर्मुख होंगे तो नाड़ी विद्या को उतना गहराई से समझ पाएंगे। आध्यात्मिकता कोई खोजने की यात्रा नहीं है जो हम भुला चुके हैं उसे पाने की बात है। हमें अपने अंदर खोजना है। अंतर्यात्रा में जाना ही अध्यात्म है। ब्रह्माकुमारीज़ के मार्ग पर चलने से आपकी वह यात्रा पूरी हो सकती है। आत्मा ज्ञान को देने वाला एक परमात्मा ही है। आत्मयात्रा की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करने रहें। ब्रह्माकुमारीज़ में मनुष्य का सात्विक बनाने का प्रयास किया जाता है। यहां आकर बहुत कुछ सीखने को मिला है। यहां आकर मुझे पता चला कि जो ब्रह्माकुमार भाई-बहनें संयमित दिनचर्या और ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं वह यहां भोजन पकाते हैं। इसलिए इस भोजन को करने से सभी का मन भी शुद्ध होता है। साथ ही यहां जो दान आता है उसकी पवित्रता का भी ध्यान रखा जाता है।

चरक संहिता में मन-शरीर दोनों का इलाज

नई दिल्ली से आए आयुष मंत्रालय के सलाहकार डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय ने कहा कि जब हम ईश्वर को सर्वोच्च वैद्य मानेंगे तो हम भी वैद्य बन जाएंगे। चरक संहिता को पढ़ेंगे तो आपको लगेगा कोई आध्यात्मिक किताब पढ़ रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज़ में राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा दी जाती है, इससे न केवल मन ठीक होता है बल्कि शरीर भी स्वस्थ रहता है। नई दिल्ली के सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ज्ञान और योग द्वारा लोगों को आत्मिक ज्ञान प्रदान करती है। संस्था हृदय के मरीजों के उपचार के लिए अच्छा कार्य कर रही है। जोधपुर की डीएसआरआरए यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. पीके प्रजापति सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

रक्षाबंधन पर हरिद्वार में संत गोष्ठी का आयोजन

बहनें भारतीय संस्कृति को मजबूत कर रही हैं: स्वामी अभिषेक चैतन्य महाराज

शिव आमंत्रण, हरिद्वार।

ब्रह्माकुमारीज़ के हरिद्वार सेवाकेंद्र पर संत गोष्ठी का आयोजन किया गया। आचार्य ब्रह्मनिष्ट महामंडलेश्वर देवानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि मैं बहनों से राखी बंधवाकर अपने आप को अभिभूत अनुभव करता हूं। इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की एकता, प्रेम, और सेवाभाव से मैं बहुत प्रभावित हूं। मुझे यहां आकर अपनेपन, निस्वार्थ स्नेह, ईश्वरीय प्रेम का अनुभव होता है। महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. मुक्तानंद पुरी महाराज ने कहा कि गुरुकुल परंपरा में देश-विश्व के लिए एक आध्यात्मिक दिशा दिखाने का स्थान था। इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में सेवाभाव जैसा गुरुकुल में होता था। यहां पर ज्ञान-विज्ञान की बातें भी हैं।

महामंडलेश्वर स्वामी कर्णपाल गिरी महाराज ने कहा कि मुझे अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने वहां पर उनकी दिव्यता, एकता और ईश्वरीय प्रेम का अनूठा संगम देखा है। आज तो मैं राखी बंधवाने आया हूं। इसलिए इस ईश्वरीय विद्यालय को मेरी बहुत-बहुत शुभ मंगल कामनाएं। महामंडलेश्वर प्रबोधानंद गिरि महाराज ने कहा कि आज हम रक्षाबंधन को मानते हैं लेकिन रक्षाबंधन का क्या भाव है और उसकी क्या भावनाएं होनी चाहिए उस भाव और भावनाओं से रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता है। आज तो सिर्फ मनाने के लिए ही मनाया जाता है| हमने विदेशी संस्कृति को बहुत कॉपी किया है। वहां सिस्टर डे शुरू हुआ जब वहां कोई ब्रदर नहीं मिला तो फिर उन्होंने सिस्टर डे को बदल मदर्स डे कर दिया तो उनको इस आध्यात्मिक संस्कृति या भारतीय संस्कृति का कोई अनुभव नहीं है। हम उनका अनुसरण करते हैं तो हमारी दुर्गति होना तो निश्चित है। इसलिए भारत में जो त्योहार मनाए जाते हैं उसका भाव समझकर उसकी भावनाओं को समझ कर मनाएं। रक्षाबंधन के भाव को समझ कर जब ब्रह्माकुमारी बहनें राखी बांधें तो उसी भाव से ईश्वरीय भावना से राखी बनवाना तो यह रक्षाबंधन मनाना सार्थक हो जाएगा।

महामंडलेश्वर स्वामी अभिषेक चैतन्य महाराज ने कहा कि हमारी संस्कृति, वैदिक संस्कृति, हमारे त्योहार यह सब हमारी धरोहर हैं। मनुष्य अर्थ, काम और राजनीति के पीछे पड़ा हुआ है लेकिन मनुष्य भूल गया है कि हमारी संस्कृति की जड़ें जब तक मजबूत नहीं होगी तब तक हमारा समाज मजबूत नहीं हो सकता है। ब्रह्माकुमारी बहनें भारतीय संस्कृति को मजबूत कर रही हैं। ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने सभी सन्त महात्माओं की कलाई पर माउंट आबू से आया परमात्म रक्षा सूत्र बांधा और मुख मीठा कराया।

चार दिवसीय मनी, टैक्स, माइंड मैनेजमेंट नेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित

देशभर से पहुंचे चार्टर्ड एकाउंटेंट ने सीखी ध्यान की बारीकियां

देशभर से 500 से अधिक फाइनेंस प्रोफेशनल्स ने लिया भाग

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

माइंड मैनेजमेंट और राजयोग मेडिटेशन की बारीकियां सीखने के लिए देशभर से फाइनेंस प्रोफेशनल्स ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शांतिवन पहुंचे। मनमोहिनीवन परिसर में चार दिवसीय मनी, टैक्स, माइंड मैनेजमेंट नेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें सीए, सीएस और सीएमए के सदस्य और पदाधिकारियों ने भाग लिया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया। शुभारंभ पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके सीए बृजमोहन भाई ने कहा कि आप दिव्य स्थान पर आए हैं, इसलिए यहां के माहौल का पूरा लाभ लें। यहां भाग्यशाली लोग ही पहुंचते हैं। हम भगवान से मांगते हैं कि मृत्यु से अमरत्व की ओर ले जाओ। हम आत्मिक रूप से अमरत्व प्राप्त हैं। जरूरत है तो हम अपना पर्दा उठाने की। राजयोग मेडिटेशन का ज्ञान हमें सत्य से परिचय कराता है। आज हमें अपनी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बनाए रखना सबसे जरूरी है। समय हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

अध्यात्म से जुड़ना जरूरी है

सीए निरीन नागरी ने कहा कि आज के इस तनावभर दौर में सभी के लिए आध्यात्मिकता से जुड़ना बहुत जरूरी है। इससे हमारा आत्म विश्वास बढ़ता है। माइंड मैनेजमेंट सीखने से हम जीवन में बेहतर कर पाते हैं। सीएस पुष्कर लाल जाट ने कहा कि भारत में टैक्स से ही विकास कार्य होते हैं। लेकिन यदि हमें माइंड का ज्ञान नहीं है तो बाकी सब ज्ञान अधूरा है। आध्यात्मिकता से ही जीवन में पूर्णता आती है।

हम स्वर्णिम संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं

सीएमए चितरंजन चट्टोपाध्याय ने कहा कि हम स्वर्णिम संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं। नए युग में जाने के लिए हमें अपने संस्कारों को भी दिव्य बनाना होगा। ब्रह्माकुमारीज़ में राजयोग मेडिटेशन सीखने के बाद मेरा जीवन पूरी तरह से बदल गया। आध्यात्मिक ज्ञान हमें असंभव को संभव बना देता है।

सीएमए राजेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस में आकर बहुत खुशी हो रही है। सीए ईश्वर जिवानी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में प्रैक्टिकल ज्ञान दिया जाता है। सीए बीके ललित इनानी ने स्वागत भाषण दिया। सीए बीके भाषा बहन ने अतिथियों का स्वागत किया। बालिकाओं ने स्वागत नृत्य पेश किया। संचालन अहमदाबाद की बीके इशिता बहन ने किया। कॉन्फ्रेंस में शाम को संगीत संध्या का आयोजन किया गया।

देशभर में उत्साह के साथ मनाया गया रक्षाबंधन, ब्रह्माकुमारी बहनों ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों को बांधा परमात्म रक्षासूत्र

गुवाहाटी, असम। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को राजभवन में गुवाहाटी की सब जोन इंचार्ज बीके जोनाली ने राखी बांधी। इस दौरान बीके मौसमी बहन, बीके मेधावती बहन, बीके बंदना बहन, बीके मिंटू और अन्य लोग भी शामिल हुए।

रायपुर, छग। राज्यपाल रमेन डेका को इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी और भावना दीदी ने रक्षासूत्र बाँधकर शुभकामनाएं दीं।

भोपाल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ की जोनल निदेशिका बीके अवधेश दीदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उनके निवास पर पहुंचकर परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस मौके पर बीके डॉ. रीना दीदी, बीके रावेन्द्र भाई, बीके दीपेंद्र भाई, बीके राहुल भाई भी मौजूद रहे।

शिमला, हिमाचल प्रदेश। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को शिमला पंथाघाटी सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ज्ञान चर्चा की। इस मौके पर बीके सुनीता दीदी, बीके ओम प्रकाश, बीके रितु दीदी भी मौजूद रहीं।

कर्नाटक, बैंगलुरु। रक्षाबंधन पर ब्रह्माकुमारीज़ के वीवीपुरम सबजोन की प्रभारी राजयोगिनी बीके अंबिका दीदी ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत को राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। साथ ही सेवाओं को लेकर चर्चा की।

मुंबई, महाराष्ट्र। ब्रह्माकुमारीज़ योग भवन की अतिरिक्त निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शकु दीदी ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को परमात्म रक्षासूत्र बांध कर रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

गंगटोक, सिक्किम। राजभवन में राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर को बीके सोनम दीदी और बीके डिकी दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर राखी पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान माउंट आबू से आए बीके डॉ. बनारसी लाल शाह भी मौजूद रहे।

अमरावती, आंध्र प्रदेश। राज्यपाल अब्दुल नजीरजी को बीके शांता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर अन्य भाई-बहनें भी मौजूद रहे।

शिमला, हिमाचल प्रदेश। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बीके ज्योति बहन, बीके सारिका बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया।

देहरादून, उत्तराखंड। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह व उनकी धर्मपत्नी को बीके मंजू दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। साथ ही माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

चैन्नई, तमिलनाडु। राज्यपाल आरएन रवि और लेडी गवर्नर लक्ष्मी रवि को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बीके बीना दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर अन्य वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनें भी मौजूद रहीं।

रायपुर, छग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ब्रह्माकुमारीज़ की रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा की। इस मौके पर बीके रश्मि बहन व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

राळेगण सिद्धी, महाराष्ट्र। देश के जाने-माने समाजसेवी पद्मभूषण अन्ना हजारे को उनके निवास पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने राखी बांधकर ईश्वरीय सौगात प्रदान की। इस दौरान बीके डॉ. दीपक हरके भी मौजूद रहे।

मथुरा, उप्र। 167 बटालियन बीएसएफ, रिफाइनरी यूनिट सीआईएसएफ और पुलिस के जवानों को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कृष्णा दीदी, बीके पूजा ने राखी बांधी। इस मौके पर कमांडेंट राजीव कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी विशाल जोशी सहित जवान मौजूद रहे।

अमरावती, आंध्र प्रदेश। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय प्रभारी बीके शांता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके पर अन्य बीके भाई-बहनें भी मौजूद रहे।

पवित्र राखी से सजी कलाई

शिव आमंत्रण, आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा भारत सहित विश्वभर में पवित्र, पावन पर्व रक्षाबंधन धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। इनमें राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, केंद्रीय मंत्री से लेकर सेना के जवानों, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मियों और जेलों में जाकर कैदियों, बंदियों को परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ईश्वरीय संदेश दिया। इसके अलावा सेवाकेंद्रों पर रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान द्वारा पूरे सावन माह रक्षासूत्र महोत्सव मनाया गया। इस दौरान सभी को परमपिता शिव परमात्मा का संदेश और राजयोग मेडिटेशन के बारे में लोगों को रुबरु कराया गया। स्कूल-कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों को राखी पर्व का आध्यात्मिक रहस्य बताया गया।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारी सुनैना बहन। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नड्डा ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की।

चैन्नई, तमिलनाडू। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए बीके झांसी रानी। इस मौके पर अन्य बीके भाई-बहनें भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था समाज कल्याण के लिए समर्पित संस्था है।

लखनऊ, उप्र। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को लखनऊ के सेवाकेंद्रों की प्रभारी बीके राधा दीदी ने राजभवन में परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस दौरान बीके मंजू दीदी, बीके शिक्षा दीदी, रवीन्द्र अग्रवाल, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, गौरव भाई मौजूद रहे।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को ब्रह्माकुमारी बहनों ने राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बहनों की सेवाओं को सराहा।

इटानगर, अरुणाचल प्रदेश। मुख्यमंत्री पेमा खांडू को राजयोगिनी बीके जुनू दीदी ने रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर बीके प्रो. जयदेबा साहू, बीके अनिमा बहन, बीके ज्योतिष रॉय व अन्य लोग भी मौजूद रहे।

कोहिमा, नागालैंड। ब्रह्माकुमारीज़ के सेवाकेंद्र की संचालिका बीके रूपा दीदी ने राज्यपाल श्री ला गणेशन को राखी बांधी। साथ ही संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया। राज्यपाल ने रूपा दीदी का सम्मान किया।

करनाल, हरियाणा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बीके उर्मिल बहन ने राखी बांध कर माउंट आबू आने का विशेष निमंत्रण दिया। साथ ही संस्थान के सेवा कार्यों के बारे में बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की।

बेगुसराय, बिहार। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कंचन दीदी ने अलौकिक रक्षाबंधन का रहस्य बताते राखी बांधी। इस दौरान मंत्री सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में आकर अद्भुत शांति की अनुभूति होती है।

सेंधवा, मध्य प्रदेश। भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ब्रह्माकुमारी छाया बहन ने रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभ कामनाएं दीं। साथ ही राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया।

देहरादून, उत्तराखण्ड। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राखी बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात प्रदान करते हुए बीके मीना बहन, बीके शालू बहन, बीके शैफाली बहन, बीके दीपशिखा बहन, बीके मीनू बहन, बीके पूनम बहन एवं बीके सुशील भाई।

रोसेरा, बिहार। भारत सरकार के केंद्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी को उनके निज निवास पर ब्रह्माकुमारी कुंदन बहन ने आत्म-स्मृति का तिलक लगाकर राखी बांधी और ईश्वरीय सौगात प्रदान की।

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और सामना अखबार के संपादक संजय राउत को बीके प्रमिला दीदी ने रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। साथ ही संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।

बेगुसराय, बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ दिव्य प्रकाश भवन लखीसराय द्वारा अलौकिक रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कंचन दीदी ने राखी बांधी।

मुंबई। प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्देशक राजकुमार संतोषी ने ब्रह्माकुमारीज़ योग भवन का दौरा किया। इस दौरान डॉ. बीके नलिनी दीदी ने रक्षासूत्र बांधा। मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके निकुंज भाई भी मौजूद रहे।

भिवाणी, हरियाणा। राधास्वामी सत्संग के प्रमुख संत कंवर साहेब महाराज को माउंट आबू से पहुंचीं बीके बहन अदिति ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा। साथ ही सभा को संबोधित करते हुए परमात्मा का दिव्य संदेश दिया।

बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

शिव आमंत्रण, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश

अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश के कारण शहर का लगभग 40% हिस्सा डूब गया। घर दस फीट तक बारिश के पानी में डूब गए। विजयवाड़ा के नागरिकों ने अपनी सभी ज़रूरी चीजें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, खाने-पीने की चीजें आदि खो दी हैं। इस स्थिति में ब्रह्माकुमारीज संगठन की ओर से जरूरतमंदों की मदद के लिए मदद के हाथ बढ़ाए गए।

विजयवाड़ा केंद्रों की प्रभारी बीके शांता दीदी के नेतृत्व में भाई-बहनों ने बाढ़ प्रभावितों को आवश्यक खाद्य सामग्री (दाल, आटा, चावल, मसाले), कपड़े, प्लास्टिक की वस्तुएं और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की। साथ ही परमात्मा का संदेश भी सांझा किया। पार्षद महादेव अप्पाजी राव ने भी सभी को प्रेरित किया।

बीके शांता ने आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। बीके पद्मजा बहन, बीके जया बहन और बीके सिंधु लता बहन ने परमात्मा का संदेश दिया। साथ ही सभी को ध्यान करवाया। विजयवाड़ा में बीके परिवारों ने भी अपनी सभी आवश्यक वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि खो दिए हैं। आंध्र प्रदेश में हमारे अन्य बीके परिवार भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सहयोग कर रहे हैं।

शिवहर कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

शिव आमंत्रण, शिवहर/सीतामढ़ी, बिहार। शास. इंजीनियरिंग कॉलेज शिवहर में मानसिक स्वास्थ्य जागृति विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके सीतामढ़ी सेवाकेंद्र संचालिका बीके बंदना बहन, शिवहर की संचालिका बीके भारती बहन, बीके आमोद, बीके डॉ. उदय शंकर, प्रिंसिपल डॉ. प्रो. कुशपेंद्र चौधरी, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर राजू शर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

आत्म प्रबंधन से ही व्यापार में कुशल प्रबंधन हो सकता है

इंदौर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा ओमशांति भवन ज्ञानशिखर में 'व्यापार एवं उद्योग में सफलता के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन रखा गया। मुंबई से पधारे विराज प्रोफाइल प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज राजा कोचर ने कहा कि कोई भी कार्य हम करें तो पहले उसकी स्पष्टता मन में होनी चाहिए फिर उस अनुसार योजनाएं बनाएं। तत्पश्चात उसे कार्यरूप में लाएं तभी हम सफल हो सकते हैं। मेरी इंडस्ट्री में 12 हजार लोग कार्य करते हैं। मैं उन्हें अपने परिवार का सदस्य मानता हूं और पारिवारिक सदस्य की तरह ही उनसे व्यवहार करता हूं। जिससे उनकी कार्यक्षमता बेहतर होती है और वह अपना अच्छा प्रदर्शन दे पाते हैं। ब्रह्माकुमारीज के संपर्क में आने के बाद उनके जीवन में आए बदलाव को सांझा करते हुए कहा कि यहां सिखाए जाने वाले राजयोग से मन सशक्त और सोच सकारात्मक बनती है। राजयोग में बड़ी सुंदर कला विचारों का ट्रैफिक कंट्रोल कैसे करना है सिखलाई जाती है। इससे हमारी नकारात्मक सोच खत्म हो जाती है और हम सदा सकारात्मक ऊर्जा से स्वयं को भरपूर अनुभव करते हैं। ब्रह्माकुमारीज में जो सात्विक अन्न का महत्व समझाया जाता है उस अनुसार उसे खुद भी अपनाया और अपनी कंपनी के कर्मचारियों को भी सात्विक अन्न ग्रहण करने पर ही जोर दिया। इससे उनके विचारों एवं व्यवहार में परिवर्तन महसूस किया। नागार्जुना फर्टिलाइजर के चेयरमैन एवं संस्थापक केएस राजू ने कहा कि व्यापार एवं उद्योग में सफलता के लिए स्व प्रबंधन सीखना जरूरी है। स्वप्रबंधन के लिए स्व की यथार्थ पहचान होना जरूरी है कि हम शरीर को चलाने वाली एक ऊर्जा है जिसके होने से शरीर की मशीन चल रही है। अतः आत्म प्रबंधन से व्यापार में कुशल प्रबन्धन हो सकता है।

झारखंड के नए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से की मुलाकात

रांची। झारखण्ड के नए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके निर्मला दीदी ने मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। साथ ही मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में भी रुबरु कराया।

ब्रह्माकुमार किसान भाइयों ने रासायनिक खेती छोड़ अपनाई यौगिक खेती

शिव आमंत्रण, बेगुसराय, बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा जिला कृषि कार्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र, बेगुसराय के संयुक्त तत्वावधान में जिले के सभी कृषक भाइयों के लिए योग एवं जैविक खेती का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। माउंट आबू से आए ब्रह्माकुमारीज़ कृषि विभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी राजू भाई ने कहा कि आबू में 100 एकड़ से भी अधिक जमीन पर यौगिक खेती के द्वारा ऐसे फसल उगाए हैं जो अमतौर पर राजस्थान में उपजाए नहीं जाते हैं। बिहार के भगवानपुर प्रखण्ड में 10 एकड़ ज़मीन लेकर ब्रह्माकुमारीज़ ऐसा ही प्रयास कर रही है।

भीनमाल से पधारीं बीके गीता दीदी ने बताया कि थोड़े से धन के लालच में कैसे भारत के किसान भाई रासायनिक खेती और हानिकर कीटनाशकों का प्रयोग करने को मजबूर हो रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के कुछ वर्षों से विशेष राजयोगी किसान ने ऐसी जानलेवा खेती को छोड़ कर जैविक खेती के साथ-साथ यौगिक खेती को अपनाया जिसका सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। पटना से आए बीके संजय ने कहा कि भारत में आदि काल के दौरान जैविक खेती ही होती है लेकिन उर्वरक बनाने वाली कम्पनियो के बातों में आकर किसानों ने कृतिम खेती को अपना लिया है। बेगुसराय सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामपाल ने भी संबोधित किया। संचालन सेवाकेंद्र संचालिका बीके कंचन दीदी ने किया।

शिव आमंत्रण,जयपुर। सबजोन प्रभारी राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी ने अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज, साध्वी भगवती सरस्वती श्रीपेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल, महापुरा में आयोजित सर्व मंगलाय सनातन धर्म फाउंडेशन के शुभारंभ समारोह में मुलाकात की।

शिव आमंत्रण, जयपुर। राजयोगिनी सुषमा दीदी ने राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों का आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने राज्यपाल को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं, ईश्वरीय सौगात और प्रभु प्रसाद भेंट किया।

शिव आमंत्रण, अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से अंबिकापुर की निदेशिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी एवं अन्य भाई-बहनों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री को ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया।

शिव आमंत्रण, अलीराजपुर, मप्र। शारीरिक रीति से स्वस्थ रहने के लिए मेडिटेशन हमें शक्तिशाली बनाता है। यह विचार इंदौर से पधारे धार्मिक प्रभाग के जोनल कोऑर्डिनेटर बीके नारायण भाई ने अलीराजपुर पुलिस थाने में कांस्टेबल को तनाव मुक्त जीवन व शारीरिक फिटनेस के लिए मेडिटेशन विषय पर संबोधित कर रहे थे। बीके ज्योति बहन ने मेडिटेशन कराया।

शिव आमंत्रण, विदिशा, मप्र। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र ए-33 मुखर्जी नगर द्वारा पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्राचार्य गीता भदोरिया को ईश्वर सौगात देते हुए बीके रुक्मणी दीदी, बीके रेखा दीदी, बीके आशीष भाई, बीके श्याम भाई आदि।

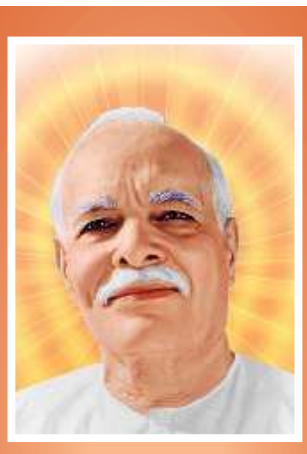

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

वास्तव में गीता-ज्ञान परमपिता परमात्मा शिव ने कलियुग और सतयुग के संगम समय पर अवतरित होकर दिया।

रियल लाइफ

1953 में जब गीता जयंती पर पुस्तिका छपवाई...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ईश्वरीय सेवा के विभिन्न कार्यक्रमः अब स्थान-स्थान पर भाषणों द्वारा दीपावली, महाशिवरात्रि, रक्षाबन्धन, जन्माष्टमी, होली आदि-आदि विशेष उत्सवों पर विशेष आयोजनों द्वारा तथा ईश्वरीय सेवा-स्थानों पर नित्यप्रति प्रातः, सायंकाल तथा दिन-भर ज्ञान की क्लासों द्वारा, और भी कई तरह से ईश्वरीय सन्देश लोगों तक पहुँचाने का यत्न किया जाता था। जो भी पुस्तक-पुस्तिका, फोल्डर आदि छपाये जाते थे, उनकी एक-एक प्रति पत्र सहित सभी प्रदेशों, देशों और विदेशों के राजाओं-महाराजाओं को, भारत के विभिन्न नेताओं को, देश-विदेश की विख्यात लाइब्रेरियों को, विश्वविद्यालयों को, धार्मिक सभाओं आदि-आदि को भेजी जाती थी।

उदाहरण के तौर पर जुलाई, सन् 1953 में अन्य महाराजाओं के अतिरिक्त नेपाल के महाराजा को भी साहित्य भेजा गया तथा दिसम्बर 1953 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी को आबू में राजसूय अश्वमेध अविनाशी ज्ञान-यज्ञ में पधारने के लिए ईश्वरीय निमन्त्रण भी दिया गया। उन्होंने इसके लिए धन्यवाद तो लिख भेजा परन्तु वे आये नहीं। जुलाई 1953 में नेपाल सेना के मेजर जनरल सुरा जंग बहादुर राणा तथा सेनाध्यक्ष कमाण्डिग जनरल हिरण्य शमशेर जी के पत्र भी आये थे, जिनमें उन्होंने बाबा के प्रति बहुत ही स्नेह एवं सम्मान व्यक्त किया था।

24 जुलाई, 1953 को ब्रह्माकुमार विश्व किशोर जी के नाम नेपाल से पत्र आया था, जिसमें लिखा था कि 'महाराज भीरन शमशेर जंग बहादुर राणा की ताजपोशी के अवसर पर दादा लेखराज महाराजा के एक मान्य अतिथि थे और इसलिये वे राज्यकुल एवं राजा के निकटतम दायरे में सम्मिलित थे। महाराजा के पोते, मेजर जनरल सुबरना शमशेर जंग राणा के विवाह के अवसर पर दादा लेखराज का खिंचा हुआ एक फोटो जिसमें वे राजबग्घी में बैठे हैं और राज्यकुल के सुरक्षा सैनिक उनके पीछे हैं।

गीता जयन्ती पर गीता के भगवान के बारे में स्पष्टीकरणः दिसम्बर, 1953 में 'गीता जयन्ती' के अवसर पर एक पुस्तिका हिन्दी और अंग्रेजी में छपवाकर आचार्यों, विद्वानों तथा जन-साधारण को बाँटी गयी। उन्हीं दिनों ईसाई लोग भी मुम्बई तथा अन्य नगरों में 'मेरी' का वार्षिकोत्सव मना रहे थे। दिनांक 4 और 7 दिसम्बर, 1953 को मुम्बई से प्रकाशित होने वाले पत्र, टाइम्स ऑफ इण्डिया में 'ईसाई' और 'मेरी' के जो चित्र प्रकाशित हुए थे उनमें ईसा को मोर-मुकुटधारी दिखाया गया था। अतः अब ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से जो पुस्तिका छपवाई गई, उसमें बताया गया कि कैसे आज भारत के लोग परमपिता परमात्मा के दिव्य नाम, दिव्य धाम और दिव्य कर्त्तव्यों के यथार्थ ज्ञान से अपरिचित हैं और अपने आदि सनातन देवी-देवता धर्म को भी नहीं जानते बल्कि स्वयं को 'हिन्दू' मानते हैं जबकि वास्तव में हमारे धर्म का नाम 'हिन्दू' नहीं है। उस पुस्तिका में अनेक युक्तियों से यह भी बताया गया था कि यद्यपि आज प्रायः लोग मानते हैं कि गीता का ज्ञान भी कृष्ण ने दिया था तथापि सत्यता इससे भिन्न है। यदि सचमुच भगवान मोर-मुकुटधारी, सजे- सजाये श्री कृष्ण के दिव्य रूप में प्रगट होते तो श्रीमद्भगवद्गीता, महाभारत आदि ग्रन्थों में यह क्यों लिखा होता कि 'मुझे साधारण तन में देखकर मूढ़मति लोग मनुष्य-तन में आये हुए मुझ परमात्मा को तुच्छ समझते हैं और कंस, शिशुपाल आदि ने उन्हें गालियाँ दीं और अर्जुन क्यों कहता कि मुझे आप अपने दिव्य एवं मोहिनी रूप का दर्शन कराओ जबकि मनमोहन रूप में श्रीकृष्ण सामने थे ही? इस पुस्तिका में यह स्पष्ट किया गया है कि श्रीराधा और श्रीकृष्ण तो वास्तव में द्वापरयुग में नहीं, बल्कि सतयुग के आरम्भ में हुए जिनका नाम स्वयंवर के पश्चात् श्रीलक्ष्मी और श्रीनारायण हुआ। वास्तव में गीता-ज्ञान परमपिता परमात्मा शिव ने कलियुग और सतयुग के संगम समय पर प्रजापिता ब्रह्मा के साधारण मानव तन में अवतरित होकर दिया। **क्रमशः**

प्रेरणापुंज

इच्छाएं खत्म करके ही हम योगी बन सकते हैं

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आज कल योग की बड़ी गहराई है मैं आत्मा हूं, परमात्मा की संतान हूं, सिर्फ यह समझने से योगी नहीं बन जाते। अन्दर की इच्छायें ममतायें खत्म करने से योगी बनते हैं। योग से यह खत्म हो जाती है। इच्छाओं को त्याग भगवान के बन गये हैं, तो जितनी चाहे उतनी ऊँची तकदीर की लकीर खींचो, वह तुम्हारे हाथ में है। बाबा ने किचड़ से निकाला, अपना बनाया फिर भी कीचड़ से कोई प्रीत रखे, कोई व्यक्ति या चीजें खीचे तो एक म्यान में दो तलवारे नहीं ठहर सकती। बाबा एक है लेकिन रस सब देता है। वह सब अनेक हैं, परन्तु एकरस रहने नहीं देंगे। स्थिति एकरस रहे, एक का रस लेते रहे यह भाग्य है। योग माना जो मुझ आत्मा को चाहिए, सुख-शांति-प्रेम-आनंद एक से लेती रह, एक से मिल रहा है। बाबा को साकार में भी अव्यक्त देखा है, उसको देखते, उसको देखते, हम भी अव्यक्त अशरीरी हो जायेंगे। ऐसा हमारा ध्यान हो। जिसकी अच्छी तरह से अपने ऊपर ध्यान है, तो कुदरती टीचर का वह प्यारा बन जाता है। पढ़ाई ड पर जिसका ध्यान अच्छा होता है उसको दूसरी कोई बातें खीचेंगी में मस्त होगा। उसको कहो सिनेमा में जाओ, नहीं जायेगा। शादी पर नहीं जायेगा। पढ़ाई हमारी खराब हो जायेगी। कहेगा नहीं इच्छा ही नहीं पैदा होगी। पढ़ाई में हमारी कमाई है ही है समझदार बाबा का बच्चा उसन कमाई महसूस होती है। । ज्ञान लिया बनने के लिए जितनी पढ़ाई में ध्यान दो तो लगता है मेरी कमाई हुई। वह पढ़कर पीछे कमाते, हमारी कमाई साथ-साथ है। परन्तु कोई पढ़ाई पढ़ते कमाई करते, कोई लड़ाई शुरू कर देते। पढ़ाई माना ही तू मन को शान्त कर, बुद्धि को परमात्मा में एकाग्र ममताओं से फ्री कर तो खुशी है। शांति का संसार, कोई चिंता फिकर कर, इच्छाओं, अन्दर सुख- नहीं, उपाधि नहीं अचलघर बन गये। इस शरीर जैसे अचल घर में बैठी है। अचल में आत्मा माना जो कभी चलायमान न हो। अडोल उसको कहा जाता जो कभी डोलायमान न हो, घबराये नहीं। क्या होगा कैसे होगा? नाहीं। अन्दर शक्ति नहीं है तो कोई भी बात में की अपनी चलायमान हो जायेगा।

जो सच्चा होगा। उसे कोई भी मोहिनी रूप दिखावे, वह चलायमान नहीं होता, जान जगह चली गई तो पद भी गया। विनश्यन्ति। वह सूर्यवंशी से सीधा चन्द्रवंशी में चला गया। स्वधर्म में टिकना, अपने निज स्वरूप में रहना, बाबा के साथ सच्चा संबंध रखकर श्रीमत पर चलना माना सहजयोगी बनना। जिसको और कोई चीज नहीं खींचता उसको बाबा खींचता है। बाबा के सिवाए और कोई कोई उसका नहीं। अन्दर से पक्का है मैं बाबा का हूं, बाबा आपेही खिलायेगा। पवित्रता और स्वच्छता इतनी जो कोई कामना, ममता नहीं। जहां भी है हम सफाई करना जानते हैं। हाथों में सफाई करने की आदत है। खाना खाओ बड़ी स्वच्छता से खाओ।

> अचल में आत्मा माना जो कभी चलायमान न हो। अडोल उसको कहा जाता जो कभी डोलायमान न हो, घबराये नहीं।

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

अव्यक्त इशारे

अंतर्मुखी बनकर ही बेहद के बैरागी बन सकेंगे

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

कई कहते हैं दो हजार तक तो चलेगा, अरे दो हजार तक वर्ल्ड का विनाश हो लेकिन तुम्हारा विनाश कब होगा वह डेट है? बाबा तो कहता है मैं डेड कान्सेस बनाऊँगा ही नहीं। इतना भी बाबा ने कहा अगर किसको पूछना है तो भले मेरे ज्योतिषी बच्चों से पूछो। उन्हों का काम वह करेंगे। मैं भी वहीं काम करूँ जो ज्योतिषियों का है। मैं यह करने वाला हूँ ही नहीं, सीधा जबाव बाबा ने दिया। मुझे डेट कान्सेस बनाना नहीं है। मैं सोल कान्सेस बनाने आया हूँ, इसलिए एवररेडी रहो। एवररेडी माना क्या डेट देखनी है - दो हजार, तीन हजार, चार हजार विनाश तो जब होना होगा, हो जायेगा मैं पहले एवररेडी रहूँ। एवररेडी रहना माना आलस्य और अलबेलापन छोड़ना। रॉयल रूप में भी अलबेलापन आ जाता है। अलबेलापन वाला अलर्ट कभी नहीं हो सकता है। जो चाहे वह करके दिखावे, वह नहीं हो सकता है। इसलिए बाबा ने कहा - चाहना और करना एक करो। अभी अपने में लग जाओ। दूसरों को बहुत देख लिया, बहुत सुन लिया। अपने में मगन हो जाओं बस, अभी तो बाबा का एम ही यह है - अपनी घोट तो नशा चढ़े। अपना मनन, अपना शुभ चिन्तन, अपना रियलाइजेशन। समय पूछकर आना नहीं है और समय के ऊपर आधारित होंगे तो रिजल्ट हमारी अच्छी नहीं होगी। इसलिए रियलाइजेशन शब्द को अण्डरलाइन करो। रियलाइज करो अपने को, अपने द्वारा औरों को आपे ही पहुँचेगा। बस, अन्तर्मुखी हो जाओ। बाहरमुख से सब देख लिया, अब इससे बेहद का वैराग्य। मैं और मेरा बाबा, बस। बाबा दे रहा है और मैं ले रहा हूँ और जो ले रहा हूँ, वह नेचरल है दूसरों तक जायेगा। जैसे सूर्य है उससे किरणें नहीं फैलें, यह हो ही नहीं सकता। अगर मेरे में शक्ति है, हमारी शक्ति नहीं फैले - यह हो ही नहीं सकता। जब प्रकृति की लाइट फैलती है, मैं तो रचता हूँ क्यों नहीं मेरे वायब्रेशन लाइट-माइट क्यों नहीं फैलेगी। थोड़ा सा अन्तर्मुखी होकर इस बात के ऊपर हम सभी का अटेन्शन जाना चाहिए और जायेगा तो अपना ही फायदा है। नुकसान भी अपना है, फायदा भी अपना है। कइयों में सहनशक्ति है, सहन करते रहते हैं। लेकिन सहन करना भी दो प्रकार से होता है। एक होता है मजबूरी से सहन करना, एक होता है बाबा की आज्ञा है कि तुमको सहनशक्ति धारण करना है। तो अगर हम बाबा की आज्ञा मानते हैं तो उसकी खुशी हमारे अन्दर आ जाती है। मजबूरी से करते हैं तो अन्दर रोते रहेंगे बाहर से सहन करते रहेंगे। उसका फल नहीं मिलेगा, खुशी नहीं होगी। और सचमुच बाबा की श्रीमत समझ कर हमने सहन किया तो उसी समय खुशी होती है। भले लोग समझे कि इसकी हार हुई, इसकी जीत हुई है। लेकिन वह हार भी हमको खुशी दिलाती है, क्योंकि परमात्मा के आगे तो ठीक रही। चलो उसने मेरे को समझा कि यह तो ढीली है, यह तो सामना कर ही नहीं सकती है। इसने हारा मैंने जीत लिया। चलो जीत लिया लेकिन परमात्मा के आगे तो मैंने जीता ना। **क्रमशः**

> जब प्रकृति की लाइट फैलती है, मैं तो रचता हूँ क्यों नहीं मेरे वायब्रेशन लाइट-माइट क्यों नहीं फैलेगी।

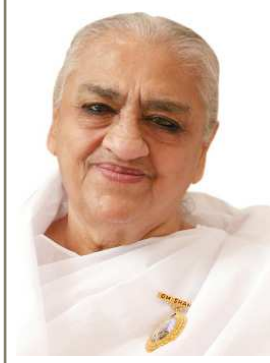

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

शिक्षक दिवस : छतरपुर सेवाकेंद्र पर शिक्षाविदों का किया सम्मान

सही शिक्षक विद्यार्थी के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने, आगे बढ़ाने और प्रेरित करने का कार्य करता है: बीके शैलजा दीदी

शिव आमंतरण, छतरपुर, मप्र

जिसमें जो क्षमता और प्रतिभा है उसे पहचान कर उसे दिशा देकर आगे बढ़ाना, यह सही शिक्षक का काम है। एक महान शिक्षक केवल अच्छी-अच्छी बातें करके अपने लिए ताली बजवाकर केवल इंप्रेस करने का कार्य नहीं करता है, बल्कि वह इंस्पायर करता है वह प्रेरित करता है बच्चे को कि कैसे वह सहज रूप से आगे बढ़ सकता है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ किशोर सागर में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिक्षाविदों के सम्मान समारोह में छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने व्यक्त किए। एक्सीलेंस स्कूल प्राचार्य एसके उपाध्याय ने कहा कि भगवान जिस पर सबसे अधिक भरोसा करता है उसे वह शिक्षक बनाता है। इसलिए हमारा फर्ज है कि हमें हर बच्चे के अंदर अपने बच्चे या बच्ची का रूप देखना है। जिस प्रकार हम अपने बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए सभी प्रयास करते हैं उसी प्रकार हमें अन्य बच्चों के लिए भी वही प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने एक सुर में एक ही बात का संकल्प लिया कि हमें बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का ज्ञान भी देना है और अपने श्रेष्ठ चरित्र से चरित्रवान नागरिक का निर्माण करना है। इसी शुभ संकल्प से सभी ने मिलकर दीप प्रज्वलन किया। इस मौके पर शा. माध्यमिक शाला गहरवार के प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश प्रजापति, माध्यमिक शाला राजापुरवा की प्रभारी प्रियंका खरे, माध्यमिक शाला इकारा के शिक्षक रामपाल बट्टी, शिक्षक पंकज चौबे, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी गेस्ट फैकल्टी रूपाली पंसारी, शिक्षिका आविधा अग्रवाल, कमला खरया, गोपीचंद गुप्ता, हरकुंवर सहित सभी शिक्षकों को बीके रमा दीदी एवं बीके रीना दीदी द्वारा सम्मानित किया गया।

अलीराजपुर, मप्र। शिक्षक दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में अलीराजपुर -झाबुआ-रतलाम सांसद अनीता नागर सिंह चौहान, ब्रह्माकुमार नारायण भाई, पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, अषाड़ा राजपूत समाज अध्यक्ष रिंकेश तंवर, कवियत्री सुरभि जैन और ब्रह्माकुमारी माधुरी बहन ने संबोधित किया।

कादमा, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ व ग्राम पंचायत रामबास द्वारा शिक्षक दिवस पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबास में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें एसडीएम बाढडा सुरेश दलाल, बीके वसुधा, सरपंच सुधीर शर्मा, हरपाल आर्य, प्राचार्य यशपाल यादव ने शिक्षकों का सम्मान किया।

चक्रधरपुर (झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला की संचालिका बीके मानिनी बहन ने पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य विश्वनाथ हांसदा से मुलाकात कर परमात्मा का स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। बीके मुस्कान, संगीता बहन, गीता बहन व अन्य मौजूद रहे।

इंदौर, मप्र। मैरियट होटल में आयोजित समारोह में भीनमाल, राजस्थान की प्रभारी बीके गीता दीदी को भारतश्री अवॉर्ड से नवाजा गया। इस मौके पर मार्शल शशि खर चौधरी, बॉलीवुड एक्टर राजीव वर्मा, मीर रंजन नेगी, नव्या ग्रुप की सीईओ नेशनल आर्टिस्ट गोल्ड मेडलिस्ट पूर्वी अग्रवाल भी मौजूद रहीं।

शिक्षा रत्न सम्मान पुरस्कार व सम्मान पत्र वितरण समारोह आयोजित

शिक्षक मूल्यनिष्ठ होंगे तो बच्चों में भी मूल्यों का सृजन होगा

शिव आमंत्रण, मुलुंड, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ के मुलुंड सबजोन द्वारा चंदनबाग स्कूल के मैदान में शिक्षा रत्न सम्मान पुरस्कार एवं सम्मान पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें 25 से अधिक प्रधानाचार्य और 125 से अधिक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसद संजय दीना पाटिल ने शिक्षकों के सम्मान को सराहा और ब्रह्माकुमारी संस्थान के कार्यों में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मुलुंड सबजोन की निदेशिका डॉ. बीके गोदावरी दीदी ने कहा कि आपके पास यह अद्वितीय अवसर है कि बच्चों को सही दिशा में मार्गदर्शन दें, उन्हें मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करें और इस प्रकार देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखें। जब शिक्षक स्वयं में मूल्यों का सृजन करते हैं, तभी वे छात्रों के जीवन में उन मूल्यों का संचार कर सकते हैं। यही मार्ग हमारे राष्ट्र को उज्जवल भविष्य की ओर ले जाएगा। राजयोगिनी डॉ. बीके लाजवंती दीदी ने कहा कि आज के तेजी से बदलते समय में आध्यात्मिक विकास और आत्म-परिवर्तन की आवश्यकता है। डॉ. बीके सरला बहन ने कहा कि गुरु वह है जो गौरव प्रदान करता है, टीचर मां का दूसरा रूप होती है। टीचर संस्कारों का सिंचन करती है और जीवन जीना सिखाती है। प्रो. डॉ. अनाया थाटे ने ब्रह्माकुमारी से जुड़े अपने अनुभव सांझा किए और बताया कि कैसे संगीत ने उन्हें भगवान के करीब लाया और काम को निष्ठापूर्वक करने के लिए प्रेरित किया।

शिव आमंतरण, राजकोट, गुजरात। शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान पंचशील सेवाकेंद्र पर किया गया। गुजरात जोन की निदेशिका बीके भारती दीदी ने कहा कि ज्ञान विवेक को जागृत करता है और बुद्धि सभी गुणों को सींचती है। बीके किंजल दीदी और ब्रह्माकुमारी अंजू दीदी ने भी संबोधित किया। पंचशील स्कूल, कृष्णा स्कूल, ढोलकिया स्कूल और सरोजिनी नायडू गर्ल्स स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

शिव आमंतरण, भोपाल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र पर शिक्षक दिवस पर शिक्षाविदों का सम्मान किया गया। प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने ने कहा कि शिक्षक सम्पूर्ण देश के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। शिक्षक एक मार्गदर्शक के रूप में, विद्यार्थियों को भविष्य के ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में ढालते हैं, जो भारत देश के विकास को नया आकार दे सकें।

शिव आमंतरण, जबलपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के नेपियर टाउन शिव स्मृति भवन में शिक्षक महोत्सव आयोजित किया गया। इंडिया बुक रिकॉर्ड में नाम दर्ज राजयोगी बीके भगवान भाई, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी जी, प्राचार्य भरत पाल, बीके भावना दीदी ने संबोधित किया।

शिव आमंतरण, नरसिंहपुर, मप्र। संस्कार भवन सेवाकेंद्र पर शिक्षक दिवस पर नगर के प्रबुद्ध शिक्षाविदों का सम्मान किया गया। इसमें बीके कुसुम दीदी ने कहा कि शिक्षकों के भी परम शिक्षक परमपिता परमात्मा हैं जो कि वर्तमान में प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर ब्रह्माकुमारी बहनों को आध्यात्मिक शिक्षक बनाकर मूल्यनिष्ठ संसार के नवनिर्माण का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान सेवानिवृत प्राचार्य एसएल दुबे, प्रो. डॉ यतींद्र महोबे, प्रो. डॉ. धीरज झा, प्रो. चित्रा द्विवेदी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

शिव आमंतरण, टोंक, राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अपर्णा दीदी ने कहा कि शिक्षा में आध्यात्मिकता के समावेश से बच्चों की भौतिक उन्नति के साथ नैतिक, आध्यात्मिक, चारित्रिक उन्नति भी हो सकती है जो वर्तमान समय के लिए बेहद आवश्यक है। जिला शिक्षा अधिकारी मीना लसारिया ने कहा सभी को मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करना चाहिए। ब्लॉक अधिकारी सीताराम गुप्ता ने भी संबोधित किया।

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने किया ध्वजारोहण

ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय में आन-बान-शान से फहराया तिरंगा, दीदी ने परेड की ली सलामी

शिव आमंत्रण, आबू रोड

ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। आन-बान-शान से तिरंगा फहराया गया। डायमंड हॉल के पीछे बनी स्टेज पर मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी, कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, मीडिया निदेशक बीके करुणा भाई सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने ने तिरंगा फहराकर परेड की सलामी ली। इस दौरान कर्नल सती के नेतृत्व में परेड की गई।

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी ने कहा कि हमारे देश ने लंबे संघर्ष, हजारों लोगों के बलिदान के बाद यह आजादी पाई है। देश के अमर शहीद वीर जवानों के संघर्ष, त्याग को कभी भूला नहीं जा सकता है। अब हम सबका कर्तव्य है कि इस आजादी के साथ देश के अंदर प्रेम, भाईचारे के साथ रहें। भारत को विश्व गुरु बनाने में अपना योगदान दें। आध्यात्मिकता हमारी धरोहर और पूंजी है। ऐसी महान, पुण्य भूमि, परमात्म अवतरण भूमि पर हमने जन्म लिया है। अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि हमें गर्व है कि हम सभी भारतवासी हैं। भारत को विश्वभर में ऊंची दृष्टि से देखा जाता है।

कार्यकारी सचिव डॉ. मृत्युंजय भाई ने कहा कि अनेकता में एकता ही हमारी पहचान है। इतनी भाषाएं, संस्कृति, धर्म होते हुए भी हम भारतवासी एक हैं, क्योंकि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की संस्कृति है। मीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि जैसे अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हैं, वैसे ही अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन करेंगे।

दिल्ली। पेरिस ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों का ब्रह्माकुमारीज़ ने स्प्रिंग विहार सेवाकेंद्र प्रभारी बीके क्षीरा बहन, बीके डॉ. दीपक हरके और बीके विकास भाई ने मुलाकात कर सम्मान किया। शूटिंग में पदक जीतने वाली मनु भाकर का सम्मान करते हुए।

छतरपुर, मप्र। किशोर सागर सेवाकेंद्र द्वारा महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में भविष्य के पंडित, आचार्य, विद्वान बच्चों के लिए रक्षाबंधन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीके रीना दीदी, बीके कल्पना दीदी ने रक्षाबंधन का महत्व बताया। प्रबंधक राजेश श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

बोरीवली वेस्ट, मुंबई। बोरीवली वेस्ट सेवाकेंद्र द्वारा रक्षाबंधन पर्व पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रभारी बीके बिंदु दीदी ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताया। बीके श्रेया बहन ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। संचालन बीके शीतल बहन ने किया।

सिकंदराबाद, हैदराबाद। राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प के अंतर्गत ट्रेनर ट्रेनिंग का आयोजन कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा महादेवपुरम साइलेन्स रिट्रीट सेंटर में किया गया। बीके सुमंत भाई, बीके शशिकांत भाई, बीके चंद्रेश भाई, बीके मनीषा बहन ने ट्रेनिंग दी।

इंडियन ऑइल और ब्रह्माकुमारीज़ चलाएगी नशामुक्ति अभियान

मेडिटेशन से डवलप होती है हमारी इनर पावर

शिव आमंत्रण, जयपुर, राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ राजापार्क जयपुर एवं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की सीएसआर पहल के अंतर्गत स्वास्थ्य जागृति हेतु नशा मुक्ति जागरूकता रथ रैली निकाली गई। मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी भाई के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक आलोक कुमार पंडा ने कहा कि इंडियन ऑयल के लिए एक गौरव का दिन है कि हम एक छोटे प्रयास के लिए ब्रह्माकुमारीज़ के साथ जुड़े हुए हैं। आज ब्रह्माकुमारीज़ संस्था को हमने दो वैन दी हैं। नशा आज शहर के साथ गांव में फैलता जा रहा है। नशामुक्ति की जागरूकता के लिए हमें एक माध्यम चाहिए

था तो ब्रह्माकुमारीज़ ने जो प्रस्ताव दिया, तो मैंने सोचा कि नशा मुक्त होने की जागृति पैदा करने के लिए इससे अच्छा और कोई माध्यम नहीं हो सकता है। बीके पूनम दीदी ने कहा कि मेडिटेशन से ही व्यसन मुक्त भारत बन सकता है। सभा को राजयोग के अभ्यास द्वारा शांति की अनुभूति कराई। जब रोज़ मेडिटेशन करते हैं तब उनकी इनर पावर डेवलप होती है। आत्म शक्ति बढ़ती है, दृढ़ता आती है तो व्यसन छोड़ना सहज हो जाता है। बीके भारत भूषण और बीके स्नेह दीदी ने भी विचार व्यक्त किए।

समस्या- समाधान

कल्याण की भावना सभी के लिए रखें

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

- राजयोगी बीके सूरज भाई,
माउंट आबू

योग बल द्वारा अन्य आत्माओं की पालना करने, रहम दिल से, शुभ भावना शुभ कामना संपन्न संकल्प हर आत्मा के कल्याण प्रति निस्वार्थ और निमित्त भाव से करने से यह उन आत्माओं को डायरेक्ट टच होगा। उनको एक साक्षात्कार जैसा अनुभव होगा। अनुभव करेंगे कोई फरिश्ता आकर मुझे कुछ बोल रहा है। यह अंतः वाहक शरीर द्वारा सेवा योग बल से ही कर सकते है।

बीजरूप स्टेजः जबकि अभी यह सृष्टि रूपी झाड़ को परिवर्तन होना ही है। तो झाड़ के अंत में क्या रह जाता है? आदि भी बीज, अंत भी बीज ही रह जाता है। अभी इस पुराने वृक्ष के परिवर्तन के समय पर वृक्ष के ऊपर मास्टर बीजरूप स्थिति में स्थित हो जाओ। बीज है ही -बिंदु। सारा ज्ञान, गुण, शक्तियां सबका सिंधु एक बिंदु में समा जाता है। इसको ही कहा जाता है-बाप समान स्थिति।

एक परमात्मा को याद करेंः जब हमारी खुशी का पैमाना बढ़ा हुआ होता है, तब जीवन मेंआने वाली हर बड़ी नकारात्मक बातें या व्यवहार को भी हम नज़र अंदाज़ कर पार कर लेते हैं, लेकिन जब खुशी का पैमाना कम हो तो हर छोटी नकारात्मक बात या व्यवहार हमारे लिए बहुत बड़ी हो जाती है। अतः स्पष्ट है कि जीवन में आने वाली नकरात्मकता उतना महत्व नहीं रखती जितना महत्व हमारी खुशी के पैमाने का होता है। भक्तों का भी रक्षक भगवान अपने सभी बच्चों से कहते हैं बच्चे! मौत तो सबके सिर पर खड़ा है। इसलिए अब यह एक जन्म पवित्र बनो और बाप को याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। परमात्मा बाप की याद से ही विकर्म विनाश होंगे। और कोई रास्ता नहीं है - पतित से पावन बनने का। इस सृष्टि रंगमंच पर कर्मों का बहुत सूक्ष्म खेल चलता है, जिसे हर आत्मा पूरी तरह समझ नहीं पाती है जिस कारण वह अपना हिसाब-किताब बना लेती है। फिर उसे ही चुक्तु करना पड़ता है। जब हम किसी भी कर्मेन्द्रिय का प्रयोग करते हैं अर्थात् आँख द्वारा कुदृष्टि होती है, तो वो भी पाप कर्म बन जाता है। जबकि यह संकल्पों द्वारा किया गया पाप कर्म है जो कि योग द्वारा ही चुक्तु किया जा सकता है। 1971 में पहली बार अव्यक्त मुरली में मैंने सुना कि बाबा ने याद दिलाया कि तुम भक्ति में कहते थे हे! भगवान जब तुम इस धरा पर आओ तो हमें अपना बना लेना। बाबा ने कहा कि इतना ही कहते थे न तुम बस। हमने तो कभी कहा भी नहीं था, क्योंकि हमने कभी भक्ति की नहीं थी। कहते होंगे भी भक्त लोग ऐसे। बाबा ने कहा देखो बाप ने क्या कर दिया। जो तुमने कहा था वह तो पूरा कर ही दिया कि मैंने तुम्हें अपना बना लिया।

योग में भिन्न-भिन्न स्वरूपों का करें अभ्यास

मैं आत्मा इस तन में आई हूं खेल पूरा हुआ, अब ये शरीर छोड़कर वापिस जाना है। आना और जाना ये फीलिंग हमें देह से न्यारा कर देती है। ये अभ्यास में विजुलाइजेशन का बहुत बड़ा महत्व है। बुद्धि के नेत्र से बाबा के स्वरूप को अपने भिन्न-भिन्न स्वरूपों को विजुलाइज करें। देखें इसका बहुत महत्व है। इससे भी इम्पारटेंट बात है जिस चीज को हम विजुलाइज करेंगे। जिस चीज को हम देखेंगे। जिस अब्जेक्ट पर हम अपनी बुद्धि को स्थिर करेंगे। उसकी एनर्जी, उसकी शक्ति उसके वायब्रेशन हमारे अंदर आने लगेंगे। ये एक टेक्निक है जिससे हम समझ सकते हैं कि योग अभ्यास में बाबा से शक्तियां, शांति, प्योरिटी कैसे प्राप्त होती है।

बोल के द्वारा किया गया पाप...

जब आप किसी भी विकारों में फंसी हुई कमज़ोर परवश आत्मा को कुछ ऐसी बात बोलते हो जो उसे चुभ जाए अर्थात् वह दुःखी हो जाए तो वह आपका हिसाब-किताब बनता है, जिसको आपको शरीर द्वारा चुक्तु करना पड़ता है। इसलिए बाबा कहते हैं, बच्चे अब मुख द्वारा बोलना बन्द करो। अब जरूरत का ही बोलो। देखो बच्चे, कमजोर आत्मा तो पहले से ही अपने संस्कारों से परेशान है और वह उसे खत्म करना चाहती है और यदि आप भी सभी के बीच हल्की-सी भी कोई चुभती बात बोल देते हो तो वह एक बार दुःखी हो जाती है जोकि आपका हिसाब-किताब बन जाता है। इसलिए किसी आत्मा के शुभचिन्तक बन समझानी देनी भी हैं तो अकेले में बस एक ही बार दो। फिर उसे बाप हवाले कर दो अन्यथा आप छोटा-छोटा सा हिसाब-किताब बना लेते हो जो फिर चुक्तु भी तो करना पड़ेगा। अब जो समय जा रहा है वह केवल कमाई का है इसलिए अब नया हिसाब-किताब बनाना बन्द करो और हर आत्मा के प्रति रहम, प्रेम और कल्याण की भावना रख मन्सा सेवा करो। इससे आपका दुआओं का खाता जमा होगा और आप जल्दी ही अपनी मंजिल पर पहुंच जाओगे।

राष्ट्रपति को बांधा परमात्म रक्षासूत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में ब्रह्माकुमारीज़ गुरुग्राम ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान राष्ट्रपति ने संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन भाई को राखी बांधी।

पटना, बिहार| ओम शांति भवन कंकड़बाग सेवाकेंद्र की इंचार्ज बीके संगीता बहन ने राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आरलेकर को पवित्र रक्षा सूत्र बांध कर आत्म स्मृति का टीका लगाया।

बीकानेर, राजस्थान| भारत सरकार के केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को बीके कमलबेन एवं अन्य बीके बहनों द्वारा राखी बांधकर राखी पर्व की शुभकामनाएं दीं।

रीवा, मप्र| उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को रीवा क्षेत्र की संचालिका बीके निर्मला बहन ने राखी बांधकर संस्थान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया।

जयपुर, राजस्थान| राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को उनके निवास पर जयपुर सबजोन की निदेशिका बीके सुषमा दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

जयपुर, राजस्थान। उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी को वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके चन्द्रकला बहन, बीके एकता बहन एवं बीके सुनेहा बहन ने राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं।

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को मुंबई स्थित उनके निवास पर पहुंचकर बीके शक्कु दीदी ने पवित्र राखी बाँधी। साथ ही शुभकामनाएं देते हुए संस्थान की सेवाओं को लेकर चर्चा की।

देहरादून, उत्तराखंड| सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को बीके सोनिया बहन और बीके शालू बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा।

बिलासपुर, छग| निःशुल्क मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर के शुभारम्भ में पहुंचे उपमुख्यमंत्री अरुण साव को टिकरापारा सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा।

महाराष्ट्र के नए राज्यपाल का किया स्वागत

शिव आमंत्रण, मुंबई| नेपेंसिया रोड सेंटर की सेंटर इंचार्ज बीके रुक्मिणी दीदी और बीके नेहा दीदी ने अन्य वीवीआईपी के साथ महाराष्ट्र के नए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का राजभवन, मुंबई में स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल को ईश्वरीय उपहार प्रदान कर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रहीं सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन को लेकर चर्चा की।

आसाम और मणिपुर के राज्यपाल से की भेंट

शिव आमंत्रण, सारनाथ (वनारस), उप्र| आसाम और मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य से ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. दीपेंद्र भाई, बीके राधिका बहन, बीके तापोशी बहन, बीके सरिता बहन, बीके विपिन भाई ने मुलाकात कर ईश्वरीय उपहार भेंट किया। साथ ही अध्यात्म को लेकर चर्चा की।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर झांकी सजाई

शिव आमंत्रण, भागलपुर, बिहार | ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर झांकी सजाई गई। प्रो. महेश राय, महापौर डॉ. पंजीकार, प्रो. महेश राय, राजयोगिनी बीके अनीता दीदी ने दीप प्रज्जवलन कर झांकी का उद्घाटन किया। बीके मनीषा, बीके पूजा ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री कृष्ण एवं राधा की मनोरम झांकी में कु. शेरिया, पल्लवी, राशी, तासी आदि शामिल हुईं। वीणा पाणी डांस एकेडमी के कलाकारों ने डांस से सभी का मन मोह लिया।

विद्यार्थियों को कराया नशामुक्ति का संकल्प

शिव आमंत्रण, बैतूल, मप्र| नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत "द मानसरोवर" स्कूल में अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। बीके सविता बहन ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की समझाइश देते हुए संकल्प दिलाया। साथ ही अपने आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ और नशामुक्त बनाने की समझाइश दी। इस दौरान बीके सविता बहन, बीके श्रद्धा बहन, मानसरोवर स्कूल की डायरेक्टर पुष्पलता साबले, प्रिंसिपल एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। स्कूल प्रबंधन ने मोमेंटो देकर ब्रह्माकुमारी बहनों को धन्यवाद दिया।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-
वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता
संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer
A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960
Scan To Pay

पुणे के जगदम्बा भवन में युवा सम्मेलन आयोजित, बीके चंद्रिका दीदी बोलीं-

सदा याद रखें मैं यूनिक हूं, परमात्मा की डायरी में मेरा नाम लिखा हुआ है, तभी अंदर के हीरो को जगा सकते हैं

शिव आमंत्रण, पुणे, महाराष्ट्र

पुणे के पिसोली स्थित जगदम्बा भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर में संस्था के युवा प्रभाग द्वारा खुद के नायक स्वयं बनें विषय पर युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें युवा प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्रह्माकुमारी चन्द्रिका दीदी ने कहा मनुष्य जीवन में सबसे मूल्यवान है - समय, लेकिन आज समय की कदर खास कर युवाओं में नहीं रही है। इसलिए वे अपने उद्देश्य से भटक रहे हैं।

दीदी ने अपना अनुभव साँझा करते हुए कहा कि 14 साल की युवा उम्र में ही उन्होंने निर्णय कर लिया था कि वे अपना जीवन विश्व के लिए समर्पित करेंगी। भगवान की खोज के लिए वे प्रतिदिन 5 घंटे साधना करती थीं। उनकी खोज तब पूरी हुई जब वे संस्था के संपर्क में आई। आत्मअनुभूति द्वारा उन्हें गहरी शांति की अनुभूति हुई और तभी निश्चय किया कि जीवन ईश्वर को समर्पित करके विश्व सेवा करेंगी। उन्होंने कहा कि हमेशा याद रहे कि मैं यूनिक हूं। मेरे जैसी व्यक्ति ना पास्ट में हुआ है, ना फ्यूचर में होगा और ना ही वर्तमान में मेरे जैसा कोई और है। परमात्मा की डायरी में मेरा नाम लिखा हुआ है। तुलना में अपनी एनर्जी जो व्यर्थ जाती है, उसे बचाना है, तब हम अपने अंदर के हीरो को जगा सकते है। ॐ ध्वनि और राजयोग ध्यान द्वारा दीदी ने सभी को गहन शांति की अनुभूति कराई।

परिवर्तन सामाजिक संस्था के संस्थापक गुलाबराव पाटिल, शहर युवक व क्रीड़ा सेल कांग्रेस के अध्यक्ष आशुतोष शिंदे, पीयूष शाह, 11 वर्षीय 'थिंकरबेल लैब' के ब्रांड एम्बेसेडर वंडरबॉय प्रथमेश सिन्हा ने अपने विचारों से सभी युवाओं का दिल जीत लिया। जगदम्बा भवन की सह संचालिका ब्रह्माकुमारी शीतल बहन ने संस्था का परिचय दिया।

राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प की ट्रेनर्स ट्रेनिंग आयोजित

नागपुर। राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प के अंतर्गत ट्रेनर्स ट्रेनिंग कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ के नागपुर वर्धा रोड स्थित विश्व शांति सरोवर ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित की गई। इसमें माउंट आबू से पधारे प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके सुमंत भाई, बीके शशिकांत भाई, राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना के समन्वयक बीके चन्द्रेश भाई, योगिक खेती की प्रणेता कोल्हापुर से बीके मनीषा बहन, राजस्थान के जाहोता गांव के सरपंच शाम प्रताप राठौड़ ने ट्रेनिंग में सभी को अपने अनुभवों से यौगिक खेती की बारीकियों से रुबरु कराया।

इस मौके पर नागपुर डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर डेवलपमेंट कमल किशोर फुटाणे, इनकम टैक्स के एडीशनल कमिश्नर ऋषि कुमार बिसेन, प्राकृतिक खेती के जिला अधीक्षक रविन्द्र मनोहरे, डॉ. एएस राजपूत, कृषि रत्न अवार्ड विजेता डॉ. आरबी ठाकरे व ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी ने ट्रेनिंग का शुभारंभ कर सभा को संबोधित किया। बीके रजनी दीदी ने कहा कि यौगिक खेती के प्रयोग से किसानों की तकदीर बदल जाएगी।

हमारी शिक्षा ऐसी हो जो अच्छे चरित्र का निर्माण करे : कुलपति

रायपुर। ब्रह्माकुमारी के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसका विषय था- श्रेष्ठतम समाज के लिए मूल्य आधारित शिक्षा। इसमें हेमचन्द विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा ने कहा कि हमारी शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो अच्छे चरित्र का निर्माण करे। आज समाज में अच्छे चरित्र की सबसे अधिक कमी जरूरत महसूस हो रही है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानन्द शुक्ल ने कहा कि शिक्षकों के अन्दर इतना नैतिक बल होना चाहिए कि वह दूसरों को प्रेरित कर सकें। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के डायरेक्टर डॉ. एनवी रमना राव ने कहा कि बच्चों में जिम्मेदारी, सहानुभूति और दूसरों के प्रति आदर भाव पैदा करने के लिए नैतिक और सदाचारपूर्ण शिक्षा की जरूरत है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा, रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मीरजापुर : 250 किसानों का किया सम्मान

किसानों को दिया यौगिक खेती का प्रशिक्षण

मीरजापुर, उप्र। ब्रह्माकुमारी संस्था प्रभु उपहार भवन शुक्लहा मीरजापुर में यौगिक खेती द्वारा सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर किसान विषय पर संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कृषि विभाग लखनऊ के सहायक निदेशक बद्री विशाल तिवारी ने यौगिक खेती के अनुभवों को सांझा करते हुए कहा कि किसान भाई जब तक आत्मनिर्भर नहीं बनेंगे तब तक आर्थिक खुशहाली नहीं आएगी। अब समय आ गया है कि फिर से यौगिक और प्राकृतिक खेती को अपनाया जाए। ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग से प्रशिक्षण लेकर अब तक 12 हजार से अधिक किसान सफलतापूर्वक यौगिक खेती कर रहे हैं। प्रशिक्षण में 250 किसानों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी, जॉइंट डायरेक्टर अशोक उपाध्याय, कृषि निदेशक विकेश पटेल, बीएचयू कृषि वैज्ञानिक श्रीराम सिंह उपस्थित थे। बनारस जोन संचालिका बीके सुरेंद्र दीदी, प्रबंधक बीके दीपेंद्र भाई, बीके पंकज भाई और मीरजापुर सेवाकेंद्र की संचालिका बिंदु दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

तमसो मा ज्योतिर्गमय

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान। तमसो मा ज्योतिर्गमय... यह श्लोक बृहदारण्यकोपनिषद से लिया गया है। इसका मतलब है अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ो, हमें असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से अमरता की ओर ले जाना चाहिए। हमारे प्राचीन धर्मग्रंथ, शास्त्र यही संदेश देते हैं कि जीवन एक दीपक की तरह हो, जो खुद जलकर सारे जग को रोशनी प्रदान करता है। दीपक सिखाता है कि अंधकार कितना भी घना क्यों न हो, प्रकाश की एक किरण उसके गुमान को दूर कर देती है। जीवन में परेशानियों, कठिनाइयों और समस्याओं का कितना भी घना अंधेरा क्यों न हो, आशा, विश्वास, हिम्मत और उमंग-उत्साह के पंख हमें जीने का हौसला देते हैं। दीपक कहता है- हम जितना जलेंगे, उतना जग को प्रकाशमान कर सकते हैं अर्थात् जीवन में जितना ऊंच, महान कर्म करना चाहते हैं, त्याग, तप, संयम के पथ पर चलना चाहते हैं तो खुद को कुंदन बनाने के लिए उतना ही सहन करना होगा।

दीपक, तेल की आखिरी बूंद तक जलता है और अंत में प्रकाश फैलाते हुए बाती तक को स्वाहा कर देता है। स्वयं जलना भी पड़े, सहन करना पड़े तो भी दूसरों को प्रकाशित करना चाहिए। जीवन की आखिरी सांस तक हमें दूसरों के लिए जीना है।

दीपोत्सव पर जलाएं आत्म दीप-

दीपोत्सव पर सभी घर-घर में दीपक जलाते हैं और खुशियां मनाते हैं। क्यों न इस दीवाली अपने मन का दीप जलाएं। मन में जो आसुरीयता, दूषित-नकारात्मक विचार और कलुषित भावनाएं घर कर गईं हैं उन्हें सदा-सदा के लिए विदाई दे दें। यह तभी संभव है जब हमारा आत्मदीप जगा हुआ हो। आत्म चेतना और आत्मिक ज्योत जली हुई हो। जीवन में स्वप्रेरणा और बदलाव की प्रबल इच्छा शक्ति ही परिवर्तन लाती है। जब तक अंतर्मन में मन के विकारों और बुराइयों पर गहरा आघात नहीं किया जाता है वह बाहर नहीं निकल पाती हैं। इसके लिए हमें अपने आप की और विचारों की सतत् निगरानी करते हुए संयम-नियम के साथ कार्य करना होगा। जब आत्मा सत्य ज्ञान के प्रकाश से आलोकित हो जाती है तो उसकी आभा और दिव्यता स्वतः दूसरों को रोशन करने लगती है।

दिव्यता का आह्वान-

सत्यता और दिव्यता की शक्ति महान व्यक्तित्व का निर्माण करती है। ऐसे व्यक्तित्व और कृतित्व जग में प्रेरक, अनुकरणीय और आदर्शमूर्त बनकर मनुष्य आत्माओं के लिए नई राह प्रशस्त करते हैं। सत्यता के बिना दिव्यता का प्रादुर्भाव नहीं हो सकता है। सच्चाई-सफाई और सादगी की परिणीति स्वरूप दिव्यता स्वाभाविक रूप से प्रकट होने लगती है। दैवीगुणों की धारणा का संकल्प जब प्रबल रूप में कर्मों में परिलक्षित होने लगता है तो आत्मा देव स्वरूप के आभामंडल से ओतप्रोत होकर अन्य मनुष्यात्माओं के लिए प्रकाशपुंज, शक्तिपुंज बन जाती है। देवता सदा देते हैं, इसलिए उनके व्यक्तित्व और मुखमंडल में सदैव दिव्यता की झलक स्पष्ट नजर आती है। दातापन का भाव, भावना और संस्कार ही देवकुल की आत्मा के चिंह हैं। राजयोग ही वह दिव्य ज्ञान और विधा है जो आत्मा को दिव्य गुणों से शृंगारित करती है।

जीवन है उत्सव, उसे हर पल जीएं-

जब घर में कोई उत्सव होता है तो हम अपने दुःख, दर्द, तकलीफ भूलकर उसे पूरी तन्मयता के साथ मनाते हैं। लोगों के साथ खुशियां बांटते हैं। उमंग-उत्साह के साथ तन-मन से प्रफुल्लित रहते हैं। क्योंकि उत्सव हमें निराशा से आशा की ओर ले जाते हैं। इसी तरह जीवन में जब उमंग-उत्साह प्रबल हो तो छोटी-मोटी समस्याएं, परेशानियां नजर ही नहीं आती हैं। उन्हें हम यूं ही बिसार देते हैं। उमंग-उत्साह जीवन में पंख की तरह होते हैं जो आसमान में उड़ने का हौसला देते हैं। भले परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि उमंग-उत्साह है तो कभी भी तनाव, चिंता, उदासी और निराशा के भाव मन के आकाश में टिक नहीं पाते हैं। किसी ने कहा है कि जियो तो ऐसे जियो जैसे आखिरी पल हो। सफर जितना सुहाना होगा, जीवन की क्वालिटी उतनी ऊंच और महान होगी।

दीपराज परमात्मा कर रहे चैतन्य दीपकों का आह्वान-

दीपराज परमपिता परमात्मा चैतन्य दीपकों का आह्वान कर रहे हैं- मेरे बच्चों तुम्हें ज्ञान, गुण, शक्तियों, विशेषताओं से संपन्न बन सारे जग की आत्माओं को जगाना है। एक दीपक कमरे और घर के अंधकार को दूर कर देता है। ऐसे ही घर का एक सदस्य अन्य सदस्यों के लिए दीपक बनकर उनके जीवन को रोशन कर सकता है। उसके कर्म, चरित्र दर्पण की तरह बनकर अनेकों के लिए प्रेरक बन जाते हैं।

आइए, इस दीवाली संकल्प करते हैं कि अपने घर का दीपक हम खुद बनेंगे। अपने जीवन में महान परिवर्तन लाकर दूसरों के लिए मार्गदर्शक बनेंगे। सदा दाता बनकर सभी के लिए प्यार, स्नेह, खुशी, सम्मान का दान करेंगे, क्योंकि देना ही लेना है। जब हम किसी चीज का दान करते हैं तो वह अपने आप दोगुने रूप में हमारे पास वापस आ जाती है। परमात्मा की अपने चैतन्य दीपकों से यही आश, अपेक्षा और आशा है कि तुम ज्ञान दीपक बनकर, ज्ञानमूर्त, उदाहरणमूर्त बनकर संसार में अज्ञान-अंधकार में भटक रहीं मनुष्य आत्माओं को सहारा दो। उन्हें सत्य की राह दिखाकर उनके और अपने कल्याण का मार्ग खोल दो। ज्ञान गंगा बनकर शांति, शक्ति की बूंदों से आत्माओं को सुख की अंचली प्रदान करो।

जीवन प्रबंधन

बीके शिवानी दीदी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

आप बहुत खास हैं... अपनी खूबियों को पहचानें

जीवन के हर क्षण में एनर्जी को महसूस करें...

शिव आमंत्रण, आबू रोड। पहले खुद से सवाल-दो मिनट के लिए शांति में बैठेंगे। आप अपने आप को मस्तक में विराजमान एक ज्योति आत्मा देखें। शरीर रिलेक्स माइंड पीसफुल। खुद के बारे में चिंतन करें, चैकिंग करें अपने आप की। मेरी नेचर क्या है? अपने स्वभाव को चेक करें। अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग लोगों के साथ मेरा व्यवहार कैसा होता है। परिस्थिति अगर मेरे अनुसार नहीं होती तो मेरा रिएक्शन कैसा होता है? कोई मेरा कहना नहीं मानता, कार्य मेरे अनुसार नहीं करता तो मेरा व्यवहार कैसा होता है? कोई मेरे साथ गलत करता है मेरे लिए बुरा कहता है तो मुझे कैसा लगता है? किसी को क्षमा करना किसी की बात को भूल जाना मेरे लिए कितना आसान है? आज अगर मुझे अपने अंदर कोई एक चीज परिवर्तन करना हो यानी कोई एक आदत बदलनी हो तो वह क्या होगी? हम कितने खास हैं कैसे समझें? युवा अपने मन से यह निकाल दें कि मुझमें यह कमी है, यह विशेषता नहीं है। आप सबसे पहले अपनी खूबियों की लिस्ट बनाएं, उन पर गर्व करना सीखें। आप इस दुनिया में सबसे खास हो, अपनी खूबियों को पहचानें।

दूसरों को दोष न देकर, खुद को बदलें

आपने पहले खुद की चैकिंग की है? देखा जाए तो सारा दिन हम दूसरों की चैकिंग करते हैं। इनको ये बदलना चाहिए, इन्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए था, इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, ये कोई बात करने का तरीका नहीं था। कितनी बार खुद के जीवन में कभी बैठ कर अपनी चैकिंग की? अगर किसी ने हमें कहा भी आपको ऐसा नहीं कहना था। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। क्या मुझे उन्हें ऐसा कहना चाहिए था? कोई मुझे ऐसी राय दे रहा हो तो उनकी बात पूरी होने से पहले हम रिजेक्ट कर देते हैं और अपने व्यवहार को सिद्ध कर देते हैं कि मैंने जो कहा जो मैंने किया, वह उस समय उस बात के लिए बिल्कुल सही था। मैं जो हूं, जैसी हूं बिल्कुल सही।

अगर मेरे जीवन के अंदर ऐसी कोई आदत आ भी गई है। जैसे जोर-जोर से बोलने की, गुस्सा करने की, किसी की ग्लानी करने की, वो इसलिए आ गई कि वो लोग ही ऐसे हैं। अब शादी ही ऐसे लोगों से हुई अब क्या करें? १०-२०-३० साल से उनके साथ रह रहें हैं तो उनके साथ रहते-रहते चिड़चिड़े हो ही जाना था और क्या होना था? भले पिछले ३० साल अपने ऐसे बीते। अगले ३० साल कैसे बीते वो हमारी च्वाइस है। पिछले ३० साल हमने इस बात में बिताए कि बिचारा मैं, ऐसी परिस्थितियां मेरे जीवन की। बिचारी मैं ऐसे व्यक्ति से मेरी शादी हुई। बहुत बिचारी मैं कि ऊपर से मुझे सास-ससुर और मोहल्ला भी कैसा मिला? तो ये कहते-कहते मैं अपना जीवन बिचारी मैं, बिचारा मैं करते-करते बिता दिया। जो कि खुद और दूसरे भी अपने को बिचारा-बिचारी कहते रहते हैं। लेकिन अब ऐसे सोचना कि अब उनके साथ रहते हुए भी हम कुछ और हो सकते हैं। आज इसे पढ़ने के बाद उनके साथ-साथ ही चलेंगे।

अपनी लाइफ को करें एंजॉय

आज एक संस्कार पक्का करें। आज हम अपने फोन को फोन के लिए यूज करेंगे। कैमरा के लिए नहीं। जब कोई ऐसे मौके पर जहां फोटो खींचनी होती है तो वहां फोटोग्राफर होता ही है। हम सबको फोटोग्राफर बनने की क्या जरूरत है? जिसका वो रोल वह रोल प्ले करे। हम लोग अपने लाइफ को इंजॉय महसूस करें। सिर्फ कैप्चर नहीं करते रहेंगे। हमें लगता है इन चीजों को कैप्चर करके हमेशा के लिए अपना बना लेंगे? सबकुछ कैप्चर करने के चक्कर में एक-एक दिन बीतता जा रहा है। जो महसूस करने की प्रक्रिया थी वो धीरे-धीरे कम होती जा रही है। आजकल लोग फेसबुक पर हर चीज की फोटो डालते हैं। हम ये खा रहे हैं, हम यहां मार्केट में ख्वड़े हैं। फोटो निकाला हो गया एंजॉय?

दिल के अनुभव से रिकॉर्ड करें खुशी के क्षण

आज फोन सभी अपने पास रखते हैं। क्या फोटो की जरूरत नहीं होती। क्यों जरूरत नहीं होती, फोटो का क्या करेंगे? रिकॉर्डिंग का क्या करेंगे? कुछ भी यूज नहीं होगा। आजकल हमें आदत पड़ी है कुछ भी होता है हम फोटो निकालना शुरू कर देते हैं। घर में कोई दृश्य हो रहा हो। फोन निकाला फोटो-फोटो... क्योंकि आजकल कैमरा हमारे फोन में हमेशा साथ ही रहता है। फोटो खींचने से क्या होगा? वो क्षण बीत जाएगा और उस क्षण को अनुभव करने की बजाय हम सिर्फ फोटो खींचने में लगे रहेंगे। फिर फोटो खींचकर क्या करेंगे उसका? बाद में हम उस क्षण की फोटो को देखेंगे। आपस में शेयर करेंगे। लेकिन दूसरे मेरे उस फोटो के क्षण को लाइक करें यह उमीद करते हैं। अगर दूसरों ने मेरे फोटो को लाइक नहीं किया तो मैं उनको भी लाइक नहीं करती। फिर ये सारा दोष उस फोटो का है? जीवन का हर क्षण एनर्जी और वाइब्रेशन को महसूस करने के लिए है। फोटो में वो दृश्य आ सकता है फीलिंग नहीं आ सकती है। वो वाइब्रेशन नहीं आ सकती है। वो पल यहां दिमाग में फिट करना, वो फोन में नहीं फिट करना। अगर अभी यहां दिमाग में फिट नहीं हुआ तो बाद में नहीं होगा।

खुशी के क्षण को अनुभूति करने पर मिलेगी खुशी

जितना हम टेक्नोलॉजी में फंसते जाते हैं उतना ही हम अपनी सारी एनर्जी दूसरी चीजों पर बहाते जा रहे हैं। न ही खुद की और न ही दूसरों की एनर्जी को महसूस कर रहे हैं। हम सिर्फ कप्यूटर और फोन के साथ बंधे हैं। इसलिए हमारी एनर्जी अंदर ही अंदर घटती जा रही है। इसलिए आज से एक पक्का आदत डालते हैं। सिर्फ जब बहुत जरूरी हो तभी कैमरा से फोटो खींचेंगे। नहीं तो यहां ब्रेन में फोटो खींचेंगे। क्योंकि यहां दिमाग में जो फोटो खींचती है, वह दृश्य की फोटो नहीं खींचती है। दृश्य के अनुभव की खींचती है। दोनों चीजों में बहुत फर्क है।

आपके घर में एक छोटा बच्चा है वह आज पहली बार चलना शुरू करता है तो हम फटाफट उसकी फोटो खींचने लगते हैं। तो फोटो में तो सिर्फ यही दिखेगा ना कि वह चल रहा है। उसमें कौन-सी बड़ी बात है। लेकिन एंजॉय क्या करना था? उस मूमेंट को, उसकी खुशी को, अपनी खुशी को। लेकिन वो सब छोड़कर भागते हैं कैमरा की तरफ मोबाइल की तरफ। जल्दी लाओ, फोटो खींचने हैं। अगर वो बच्चा बैठ गया उतनी देर में तो फिर उसको डांटेंगे, उठ-उठ फिर से चल। जीवन की जो नेचुरल फीलिंग, जो विश्वसनीय फीलिंग है वो धीरे-धीरे खत्म होती गई। ये जो छोटी-छोटी चीजें हैं। जहां हम खुशी क्रियेट कर सकते थे। औरों को खुशी बांट सकते थे। औरों की खुशी को फील कर सकते थे, उसको मिस किया। फिर कहा जीवन में खुशी नहीं है। कभी भी खुशी फोटो या रिकॉर्डिंग देख-सुनकर नहीं आ सकती। जो उस खुशी के क्षण को अनुभूति करने में आ सकती थी।

आत्मा के पतन का कारण

जो कर्म अधिकतर लोग कर रहे हैं या सब लोग कर रहे हैं तो मुझे भी करना है। ऐसा नहीं करना। ये तो सबसे आसान तरीका होता है आत्मा की शक्ति को घटाने का। अगर कलियुग के अंत में हमें आत्मा की शक्ति को घटाना है तो उसका सिंपल तरीका है। जो सब लोग कर रहे हैं वो ही करना शुरू कर दो। अपने आप आत्मा की शक्ति घटनी शुरू हो जाएगी। साथ में कलियुग का भी अंत होता जाएगा। कलियुग के एंड पर मैजारिटी आत्माओं की बैटरी कम है और वो जो कम बैटरी वाली आत्मा जो कर्म कर रहे हैं उन सब का नकल करेंगे तो आत्मा की बैटरी ऑटोमैटेकली कम हो जाएगी।

कोई भी कर्म के पहले चेक करे रिजल्ट

जो सब लोग कर रहें वो नहीं करेंगे। क्योंकि इस समय जो डायरेक्शन ऑफ एनर्जी है वो एक अलग डायरेक्शन में है। अभी बहुत फास्ट स्पीड पर भी है। डायरेक्शन भी डिस्चार्ज की तरफ है और स्पीड भी बहुत फास्ट है। अगर उसका नकल किया तो निश्चत है अपनी स्पीड और बैटरी दोनों फास्ट डिस्चार्ज होने वाली है। तो दूसरे जो कर रहें हैं उसको नकल करने से पहले एक क्षण रुकना है। चेक करना इस करम का रिजल्ट क्या होने वाला है? अगर वो मेरे फायदे में है तो करना, नहीं तो नहीं करना, छोड़ देना। सब कर रहें हो तो उनको करने दो। वो सब लोग जो कर रहें हैं वो कलियुग को बढ़ा रहे हैं।

हमें इसी दुनिया को सतयुग बनाना है

हमें सतयुग बनाना है। अगर हमें सतयुग बनाना है तो कलियुग के लोगों से बिल्कुल डिफरेंट होना पड़ेगा। जब आपके आस-पास के लोग फोटो खींच रहें हो तो उस क्षण हम क्या करेंगे? मोबाइल जेब में रहने देंगें। लेकिन ये भी ख्याल करना है कि हमें सतयुग बनाना है। एक तो हमें कलियुग की फोटो की जरूरत नहीं है। दूसरी उस दृश्य को हम इस तरह देख रहें है कि वह दृश्य सतयुग वाला हो जाए। फिर वो लोग उस दृश्य का फोटो खींचते रहें। हम उस सतयुगी दृश्य को बनाएंगे। वो लोग उस दृश्य का फोटो खींचकर खुशी मनाएंगे। अब हमारा तो रोल चैंज हो गया। अगर हमें सतयुग बनाना है तो दो बातें हैं- एक है सतयुग में जाना और दूसरा है सतयुग हमें बनाना है। दोनों बातों में बहुत फर्क है।

धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन

शिव आमंत्रण, मिलपिटास, यूएसए। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर धूमधाम से रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मिलपिटास के पूर्व मेयर जोस एस्टेव्स, मेयर कारमेन मोंटानो सहित 400 से अधिक गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बीके कुसुम दीदी ने सभी को रक्षासूत्र बांधा।

सेंट पीटर्सबर्ग में स्वतंत्रता दिवस मनाया

शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस। भारत के महावाणिज्य दूतावास में धूमधाम से 78 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ की ओस से निर्देशिका बीके संतोष दीदी ने भाग लिया। उन्होंने पवित्रता और सुरक्षा के सूत्र विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि मन को पवित्र भावनाओं और विचारों से परिपूर्ण करके ही हम बाहरी जगत से अपने आप की सुरक्षा कर सकते हैं। इस मौके पर भारतीय दूतावास के अधिकारी सहति सेंट पीटर्सबर्ग के अधिकारी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, बैकाल, रूस। बैकाल झील पर अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया। बता दें कि 1996 में बैकाल झील को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया था। बीके सुधा दीदी ने कहा कि विचार शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है। राजयोग ध्यान से हमारे विचार पवित्र, शुद्ध और शक्तिशाली बन जाते हैं। साथ ही राजयोग ध्यान से सभी को शांति की अनुभूति कराई। शिक्षाविद तातियाना शखनोव्सकाया और डॉ. विजय ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सेवाकेंद्र की 12वीं वर्षगांठ मनाई

शिव आमंत्रण, वोल्गोग्राद, रूस। ब्रह्माकुमारीज़ के वोल्गोग्राद सेवाकेंद्र की 12वीं वर्षगांठ मैक्सिम गोर्की लाइब्रेरी में धूमधाम से मनाई गई। इसमें बीके सदस्यों ने अपने अनुभव सांझा किए। साथ ही गीत, कविताएं प्रस्तुत की। सेंटर कोऑर्डिनेटर बीके गैलिना डोब्रोलीबोवावोल्गा ने सुखी जीवन का रहस्य विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि राजयोग मेडिटेशन वह विधा है जो हमारे जीवन को संपूर्ण रूप से सुखी बना देती है। राजयोग को अपनाने के बाद जीवन में कुछ पाना शेष नहीं रह जाता है। बीके सर्गी कुरगानोव ने अच्छाई का स्टॉक मार्केट एक्टीविटीज से सभी को मूल्यों का संदेश दिया।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 Sep. 2024
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कार प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः बीके कोमल » संयुक्त संपादकः बीके पुष्पेन्द्र